वर्ष-10 अंक-245 पृष्ठ- 8 मूल्यः 3 रूपये

प्रयागराज, बुधवार 11 दिसम्बर 2024

TM

आधुनिक भारत का आधुनिक नजरिया

आधुनिक समाचार

आधुनिक समाचार नेटर्वक

प्रयागराज से प्रकाशित एवं सम्पूर्ण भारत वर्ष में प्रसारित

Download From

Adhunik Samachar

नगर संस्करण

10

संक्षिप्त समाचार

कलैगनर कैविनाई थिट्टम योजना लाई स्टालिन सरकार; केंद्र की पीएम विश्वकर्मा स्कीम लागू करने से इनकार

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। एमएसएमई मंत्री टीएम अनबरसन ने कहा कि राज्य ने एक व्यापक योजना

बनाई है, जिसका उद्देश्य कारीगरों को एक उद्यमी के रूप में विकसित करना और उन्हें सशक्त बनाना है। इस योजना को तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन के निर्देश पर तैयार किया गया है। तमिलनाडु के एमएसएमई मंत्री टीएम अनबरसन ने शनिवार को कहा कि कारीगरों और शिल्पकारों को सशक्त बनाने के लिए 'कलैगनर कैविनाई थिट्टम' नामक योजना राज्य में लागू की जाएगी। अनबरस ने कहा कि मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने केंद्र को अवगत कराया है कि राज्य सरकार पीएम विश्वकर्मा योजना को उसके वर्तमान स्वरूप में लागू नहीं करेगी। अनबरसन ने कहा कि राज्य ने एक व्यापक योजना बनाई है, जिसका उद्देश्य कारीगरों को एक उद्यमी के रूप में विकसित करना और उन्हें सशक्त बनाना है। इस योजना को तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन के निर्देश पर तैयार किया गया है। इसका नाम दिवंगत मुख्यमंत्री और डीएमके संरक्षक एम करुणानिधि के नाम पर रखा गया है। मंत्री अनबरसन ने एक आधिकारिक बयान में कहा, 'यह योजना 25 विभिन्न प्रकार के व्यापारों/शिल्पों से जुड़े लोगों के लिए बनाई गई है। यह पारंपरिक, परिवार आधारित व्यापारों पर केंद्रित नहीं है, बल्कि इसमें मौजूदा व्यापारों को बढ़ाने और नए व्यापारों की शुरुआत करने के लिए सब्सिडी पर ऋण सहायता, कौशल प्रशिक्षण और उद्यम विकास की सुविधा दी जाएगी।'योजना के तहत 3 लाख रुपये तक की क्रेडिट सहायता मिलेगी, जिसमें 25 प्रतिशत की सब्सिडी (अधिकतम 50,000 रुपये), 5 प्रतिशत ब्याज सब्सिडी और अन्य सभी जरूरी सहायता शामिल हैं। इस योजना के लिए न्यूनतम आयु 35 वर्ष निर्धारित की गई है। इस योजना से एक साल में कम से कम 10,000 कारीगरों को लाभ पहुंचेगा।

अपनी हरकतों से बाज नहीं आ रहे श्रीलंकाई नौसेना, आठ भारतीय मछुआरों को पकड़ा, सीमा पार का लगाया आरोप

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। जांच के बाद मछुआरों और नावों को जाफना मत्स्य विभाग के अधिकारियों को के हवाले कर दिया गया। इससे मछुआरों में असमंजस की स्थिति पैदा हो गई।

श्रीलंकाई नौसेना की तरफ से भारतीय मछुआरों को पकड़ने का सिलसिला जारी है। रविवार की सुबह आठ भारतीय मछुआरों को श्रीलंकाई नौसेना ने पकड़ और उनके पास से दो नावों को जब्त कर लिया। पकड़े गए मछुआरे तमिलनाडु के रामनाथपुरम के रहने वाले हैं। उनकी पहचान मंगदु भत्रप्पन, रेड्डूयूरानी, कन्नन, चिन्ना रेड्डूयूरानी मुथुराज, अगस्तियार कुटम काली और थंगाचिमद यासीन, जीसस, उचिपुल्ली रामकृष्णन और वेलु के तौर पर की गई है।मंडपम मछुआरा संघ के अनुसार, पकड़े गए मछुआरे मंडपम से समुद्र की तरफ गए थे। वे पाक खाड़ी के समुद्री क्षेत्र में मछली पकड़ रहे थे। आज सुबह श्रीलंकाई नौसेना इस क्षेत्र में आई और मछुआरों के सीमा पार करने का दावा करने लगे। कल सात दिसंबर को रामनाथपुरम के मंडपम उत्तर तट से 324 नावों में मछुआरे पाक खाड़ी क्षेत्र में डेल्फ्ट द्वीप के पास मछली पकड़ रहे थे। श्रीलंकाई नौसेना आज सुबह इस क्षेत्र में पहुंची और दो नावों आईएनडी टीएन 11 एमएम को जब्त कर लिया। जांच के बाद मछुआरों और नावों को जाफना मत्स्य विभाग के अधिकारियों को के हवाले कर दिया गया। इससे मछुआरों में असमंजस की स्थिति पैदा हो गई। बता दें कि भारत और श्रीलंका के संबंधों में मछुआरों का मुद्दा एक विवादास्पद मुद्दा है। इस तरह की ज्यादातर घटनाएं पाक जलडमरूमध्य में होती हैं। यह तमिलनाडु से उत्तरी श्रीलंका के बीच एक पट्टी है। यह मछलियों के लिए समृद्ध क्षेत्र माना जाता है। इससे पहले तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने श्रीलंकाई नौसेना द्वारा भारतीय मछुआरों की गिरफ्तारी को एक गंभीर मुद्दा बताते हुए केंद्र सरकार से ठोक और सक्रिय कदम उठाने की अपील की थी। सीएम स्टालिन की चिट्ठी पर प्रतिक्रिया देते हुए विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने इस मुद्दे पर उचित कदम उठाने का आश्वासन दिया था। उन्होंने कहा था कि कोलंबो में भारतीय उच्चायोग और जाफना में वाणिज्य दूतावास हिरासत में लिए गए लोगों की शीघ्र रिहाई के लिए ऐसे मामलों को तेजी से और लगातार उठा रहे हैं।

ये देश के लिए बेहद खुशी और गर्व का पल', भारतीय पादरी को कार्डिनल बनाए जाने पर पीएम मोदी ने जताई खुशी

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। समारोह में पोप ने सभा को संबोधित किया और कार्डिनल बनाए गए पादरियों को औपचारिक टोपी और अंगूठी सौंपी, उसके बाद प्रार्थना के साथ प्रमाण पत्र दिया। कूवाकाड की शनिवार को वेटिकन में आयोजित एक भव्य समारोह में 51 वर्षीय कूवाकाड को पोप फ्रांसिस द्वारा कार्डिनल के पद पर पदोन्नत किया गया। प्रसिद्ध सेंट पीटर बेसिलिका में आयोजित इस समारोह में दुनिया भर के पादरी और गणमान्य

नियुक्ति के बाद वेटिकन में भारतीय कार्डिनल्स की कुल संख्या छह हो गई है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को कहा कि भारतीय पादरी जॉर्ज जैकब कूवाकाड को पोप फ्रांसिस द्वारा रोमन कैथोलिक चर्च का कार्डिनल बनाया जाना भारत के लिए बहुत खुशी और गर्व की बात है। उन्होंने कहा कि जॉर्ज कार्डिनल कूवाकाड ने ईसा मसीह के अनुयायी के रूप में मानवता की सेवा के लिए अपना जीवन समर्पित कर दिया है। प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर साझा एक पोस्ट में लिखा, 'यह भारत के लिए बहुत खुशी और गर्व की बात है! माननीय जॉर्ज जैकब कूवाकाड को पोप फ्रांसिस द्वारा रोमन कैथोलिक चर्च का कार्डिनल बनाए जाने पर मुझे बहुत खुशी है।' लोगों ने भाग लिया, जिसमें विभिन्न देशों के 21 नए कार्डिनल्स को शामिल किया गया। समारोह में पोप ने सभा को संबोधित किया और कार्डिनल बनाए गए पादरियों को औपचारिक टोपी और अंगूठी सौंपी, उसके बाद प्रार्थना के साथ प्रमाण पत्र दिया। कूवाकाड की नियुक्ति के बाद वेटिकन में भारतीय कार्डिनल्स की कुल संख्या छह हो गई है। भारत सरकार ने इस समारोह में शामिल होने के लिए केंद्रीय मंत्री जॉर्ज कुरियन के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल भेजा। भारतीय प्रतिनिधिमंडल ने समारोह शुरू होने से पहले पोप फ्रांसिस से भी मुलाकात की। जॉर्ज कूवाकाड का जन्म 11 अगस्त 1973 को तिरुवनंतपुरम में हुआ था।

27 साल पुराने हिरासत में यातना मामले में पूर्व आईपीएस संजीव भट्ट को राहत, अदालत ने बरी किया

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट मुकेश पंड्या ने शनिवार को पोरबंदर के तत्कालीन पुलिस अधीक्षक (एसपी) भट्ट को साक्ष्य के अभाव में संदेह का लाभ देते हुए आईपीसी की धाराओं के तहत दर्ज मामले में बरी कर दिया। यह धारा कबूलनामा प्राप्त करने के लिए गंभीर चोट पहुंचाने और अन्य प्रावधानों से संबंधित ने यह भी नोट किया कि आरोपी पर मुकदमा चलाने के लिए आवश्यक मंजूरी, जो उस समय अपने कर्तव्य का निर्वहन कर रहा एक लोक सेवक था, मामले में प्राप्त नहीं की गई थी।संजीव भट्ट और कांस्टेबल वजुभाई चौ, जिनके खिलाफ उनकी मृत्यु के बाद मामला खत्म कर दिया गया था, पर भारतीय दंड संहिता की धारा 330 (स्वीकारोक्ति के लिए चोट पहुंचाना)

है।गुजरात के पोरबंदर की एक अदालत ने 1997 के हिरासत में यातना मामले में पूर्व आईपीएस अधिकारी संजीव भट्ट को बरी कर दिया है। अदालत ने कहा कि अभियोजन पक्ष 'उचित संदेह से परे मामले को साबित नहीं कर सका'। अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट मुकेश पंड्या ने शनिवार को पोरबंदर के तत्कालीन पुलिस अधीक्षक (एसपी) भट्ट को साक्ष्य के अभाव में संदेह का लाभ देते हुए आईपीसी की धाराओं के तहत दर्ज मामले में बरी कर दिया। यह धारा कबूलनामा प्राप्त करने के लिए गंभीर चोट पहुंचाने और अन्य प्रावधानों से संबंधित हैसंजीव भट्ट को इससे पहले जामनगर में 1990 के हिरासत में मौत के मामले में आजीवन कारावास और पालनपुर में राजस्थान के एक वकील को फंसाने के लिए ड्रग्स रखने से संबंधित 1996 के मामले में 20 साल जेल की सजा सुनाई गई थी। वह वर्तमान में राजकोट सेंट्रल जेल में बंद है।अदालत ने माना कि अभियोजन पक्ष 'उचित संदेह से परे मामले को साबित नहीं कर सका' कि शिकायतकर्ता को अपराध कबूल करने के लिए मजबूर किया गया था और खतरनाक हथियारों और धमकियों का उपयोग करके स्वेच्छा से दर्द देकर आत्मसमर्पण करने के लिए मजबूर किया गया था। अदालत और 324 (खतरनाक हथियारों से चोट पहुंचाना) के तहत आरोप लगाए गए थे, जो नारन जादव की शिकायत पर आतंकवादी और विघटनकारी गतिविधि (रोकथाम) अधिनियम (टाडा) और शस्त्र अधिनियम के मामले में पुलिस हिरासत में कबूलनामा लेने के लिए उसे शारीरिक और मानसिक यातना देने के लिए था।6 जुलाई, 1997 को मजिस्ट्रेट कोर्ट के समक्ष नारन जादव की शिकायत पर कोर्ट के निर्देश के बाद 15 अप्रैल, 2013 को पोरबंदर शहर के बी-डिवीजन पुलिस स्टेशन में भट्ट और चौ के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई थी। 1994 के हथियार बरामदगी मामले में नारन जादव 22 आरोपियों में से एक था। अभियोजन पक्ष के अनुसार, पोरबंदर पुलिस की एक टीम 5 जुलाई, 1997 को अहमदाबाद की साबरमती सेंट्रल जेल से ट्रांसफर वारंट पर नारन जादव को पोरबंदर में संजीव भट्ट के घर ले गई थी। नारन जादव को उसके गुप्तांगों समेत शरीर के कई हिस्सों पर बिजली के झटके दिए गए। उसके बेटे को भी बिजली के झटके दिए गएबाद में शिकायतकर्ता ने न्यायिक मजिस्ट्रेट की अदालत को यातना के बारे में बताया, जिसके बाद जांच के आदेश दिए गए। साक्ष्य के आधार पर, अदालत ने 31 दिसंबर, 1998 को मामला दर्ज किया और संजीव भट्ट और वजुभाई चौ को समन जारी किया। 15 अप्रैल, 2013 को अदालत ने संजीव भट्ट और वजुभाई चौ के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने का आदेश दिया। भट्ट 1990 के जामनगर हिरासत में हुई मौत के मामले में आजीवन कारावास की सजा काट रहे हैं। बाद में शिकायतकर्ता ने न्यायिक मजिस्ट्रेट की अदालत को यातना के बारे में बताया, जिसके बाद जांच के आदेश दिए गए। साक्ष्य के आधार पर, अदालत ने 31 दिसंबर, 1998 को मामला दर्ज किया और संजीव भट्ट और वजुभाई चौ को समन जारी किया। 15 अप्रैल, 2013 को अदालत ने संजीव भट्ट और वजुभाई चौ के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने का आदेश दिया। भट्ट 1990 के जामनगर हिरासत में हुई मौत के मामले में आजीवन कारावास की सजा काट रहे हैं। संजीव भट्ट, जिन्हें गुजरात सरकार ने अनधिकृत अनुपस्थिति के कारण पुलिस सेवा से हटा दिया था, ने गुजरात उच्च न्यायालय के 9 जनवरी, 2024 के आदेश को चुनौती देते हुए सर्वोच्च न्यायालय का रुख किया, जिसमें उनकी अपील खारिज कर दी गई थी। उच्च न्यायालय ने 20 जून, 2019 को जामनगर में सत्र न्यायालय द्वारा हत्या के लिए आईपीसी की धारा 302 (हत्या), 323 (स्वेच्छा से चोट पहुंचाना) और 506 (आपराधिक धमकी) के तहत भट्ट और सह-आरोपी प्रवीणसिंह जाला की दोषसिद्धि को बरकरार रखा था। संजीव भट्ट ने तत्कालीन अतिरिक्त एसपी के रूप में, 30 अक्तूबर, 1990 को जामजोधपुर शहर में सांप्रदायिक दंगे के बाद लगभग 150 लोगों को हिरासत में लिया था, जो अयोध्या में राम मंदिर के निर्माण के लिए भाजपा नेता लालकृष्ण आडवाणी की 'रथ यात्रा' को रोकने के खिलाफ 'बंद' के आह्वान के बाद हुआ था। हिरासत में लिए गए लोगों में से एक, प्रभुदास वैष्णानी की रिहाई के बाद अस्पताल में मृत्यु हो गई। संजीव भट्ट तब सुर्खियों में आए थे जब उन्होंने 2002 के गुजरात दंगों में तत्कालीन मुख्यमंत्री नरेंद्र मोदी की भूमिका का आरोप लगाते हुए शीर्ष अदालत में एक हलफनामा दायर किया था। एक विशेष जांच दल ने इन आरोपों को खारिज कर दिया। उन्हें 2011 में सेवा से निलंबित कर दिया गया था और अगस्त 2015 में गृह मंत्रालय ने 'अनधिकृत अनुपस्थिति' के कारण उन्हें बर्खास्त कर दिया था।

मणिपुर में हिंसा भड़काने की कोशिश नाकाम, इंफाल में अपहरण की कोशिश में उग्रवादी गिरफ्तार

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। पुलिस ने प्रतिबंधित संगठन कांगलीपाक कम्युनिस्ट पार्टी (ताइबांगनगांबा) से जुड़े उग्रवादी तेनसुबाम बंगकिम को अपहरण के इस मामले में इंफाल पश्चिम जिले से गिरफ्तार किया गया है। मणिपुर को फिर से सुलगाने की एक कोशिश को पुलिस ने नाकाम कर दिया है। दरअसल मणिपुर पुलिस ने इंफाल के थंगल बाजार इलाके में अपहरण की कोशिश नाकाम कर दी और दो लोगों को बचा लिया। इस मामले में पुलिस ने प्रतिबंधित संगठन कांगलीपाक कम्युनिस्ट पार्टी (ताइबांगनगांबा) से जुड़े उग्रवादी तेनसुबाम बंगकिम को अपहरण के इस मामले में इंफाल पश्चिम जिले से गिरफ्तार किया गया है। उल्लेखनीय है कि बीते दिनों मणिपुर के एक शरणार्थी कैंप से तीन महिलाओं और बच्चों का अपहरण कर उनकी हत्या कर दी गई थी, जिसके बाद मणिपुर में बड़े पैमाने पर हिंसा भड़क गई थी। अब एक बार फिर उग्रवादियों की मंशा राज्य में हिंसा भड़काने की थी, लेकिन पुलिस की मुस्तैदी से अपहरण की कोशिश को नाकाम कर दिया गया। हालांकि पुलिस ने इस बारे में ज्यादा जानकारी नहीं दी है। गिरफ्तार उग्रवादी के पास से 9 एमएम पिस्तौल, सात कारतूस और एक चार पहिया वाहन भी जब्त किया गया। उल्लेखनीय है कि बीते दिनों मणिपुर के एक शरणार्थी कैंप से तीन महिलाओं और बच्चों का अपहरण कर उनकी हत्या कर दी गई थी, जिसके बाद मणिपुर में बड़े पैमाने पर हिंसा भड़क गई थी। अब एक बार फिर उग्रवादियों की मंशा राज्य में हिंसा भड़काने की थी, लेकिन पुलिस की मुस्तैदी से अपहरण की कोशिश को नाकाम कर दिया गया। हालांकि पुलिस ने इस बारे में ज्यादा जानकारी नहीं दी है। गिरफ्तार उग्रवादी के पास से 9 एमएम पिस्तौल, सात कारतूस और एक चार पहिया वाहन भी जब्त किया गया।

राष्ट्रपति मुर्मू ने रेलवे की तीन समेत छह परियोजनाओं की रखी आधारशिला, 6400 करोड़ से बढ़ेगी कनेक्टिविटी

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने अपने संबोधन में वश्विास जताया कि रेल परियोजनाएं और हवाईअड्डा क्षेत्र में परिवहन, वाणिज्य और व्यापार को बढ़ावा देंगे तथा 100 बिस्तरों वाली सुविधा वाला नया अस्पताल भवन स्थानीय लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं प्रदान करेगा राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने ओडिशा की अपनी पांच दिवसीय यात्रा के

अंतिम दिन शनिवार को रायरंगपुर में छह परियोजनाओं की आधारशिला रखी, जिसमें लगभग 6,400 करोड़ रुपये की लागत वाली तीन नई रेलवे लाइनें बांगिरीपोषी-गोरुमहिसानी, बुढ़ामरा-चाकुलिया और बादामपहाड़- क्योंझरगढ़ शामिल हैं। इसके अलावा, राष्ट्रपति ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिये आदिवासी अनुसंधान एवं विकास केंद्र, दंडबोस हवाईअड्डे के उन्नयन और रायरंगपुर उप-मंडल अस्पताल में एक नये ब्लॉक के निर्माण की भी आधारशिला रखी।राष्ट्रपति ने अपने संबोधन में विश्वास जताया कि रेल परियोजनाएं और हवाईअड्डा क्षेत्र में परिवहन, वाणिज्य और व्यापार को बढ़ावा देंगे तथा 100 बिस्तरों वाली सुविधा वाला नया अस्पताल भवन स्थानीय लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं प्रदान करेगा। कार्यक्रम के दौरान सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने दूरदर्शन की ओर से एक सप्ताह में संथाली भाषा में समाचार बुलेटिन शुरू करने की जानकादी दी। उन्होंने बताया कि संथाली संविधान की आठवीं अनुसूची में शामिल 22 मान्यता प्राप्त भाषाओं में से एक है। ओडिशा, झारखंड, बिहार, प. बंगाल, असम और त्रिपुरा में बड़ी संख्या में संथाली भाषी आबादी है। देश में 70 लाख लोग यह भाषा बोलते हैं।

न्यूनतम सजा उम्रकैद.. सेहत आयु के आधार पर छूट असंभव'

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। शीर्ष कोर्ट ने 11 अप्रैल, 2006 को सुब्रह्मण्यम की हत्या से जुड़े मामले में आईयूएमएल समर्थक कुन्हीमुहम्मद उर्फ कुन्हीथू

की ओर से दायर अपील खारिज कर दी। 6 दिसंबर के फैसले में कोर्ट ने कहा, अपराध राजनीतिक प्रतिद्वंद्विता के संदर्भ में हुआ, जो एक ऐसा कारक है जिसने इसकी गंभीरता को और बढ़ा दिया।सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि भले ही हत्या के इरादे के अलावा अन्य तत्व भी साबित हो जाएं, लेकिन घातक कार्यों के परिणाम का पहले से पता होना ही आरोपी व्यक्ति को दोषी ठहराने के लिए पर्याप्त है। शीर्ष अदालत ने यह भी कहा कि जब न्यूनतम सजा ही आजीवन कारावास हो तो समानता, उदारता, वृद्धावस्था और स्वास्थ्य संबंधी चिंताओं के आधार पर सजा में कमी की मांग नहीं की जा सकती।जस्टिस विक्रम नाथ और जस्टिस प्रसन्ना बी वराले की पीठ ने 2006 में वाम लोकतांत्रिक मोर्चा (एलडीएफ) के एक कार्यकर्ता की हत्या के मामले में संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा (यूडीएफ) समर्थक की दोषसिद्धि व उम्रकैद की सजा बरकरार रखते हुए यह टिप्पणी की।

हिंदी के राजदूत बनें, दुनिया में इसकी महानता के प्रचार का आह्वान भी किया

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
तमिलनाडु। तमिलनाडु से अक्सर हिंदी को भाषा के तौर पर जबरन नहीं थोपने की आवाज उठती रही है। ताजा घटनाक्रम हिंदी के विरोध का नहीं, बल्कि इसके प्रसार की अपील का है। केंद्रीय मंत्री सर्बानंद सोनोवाल ने हिंदी में स्नातक करने वाले युवाओं से हिंदी भाषा के राजदूत बनने का आह्वान किया। तमिलनाडु दौरे पर पहुंचे केंद्रीय मंत्री सर्बानंद सोनोवाल ने शनिवार को हिंदी में स्नातक करने वाले युवाओं से हिंदी भाषा के राजदूत बनने और दुनिया भर में इसकी महानता का प्रचार करने की अपील की। दक्षिण भारत हिंदी प्रचार सभा के 83वें दीक्षांत समारोह में सोनोवाल ने कहा कि हिंदी में एक महान शक्ति है। इसने दुनिया भर के लोगों के दिलों पर कब्जा कर लिया है। इस दौरान उन्होंने छात्रों को डिग्री प्रदान की। उन्होंने कहा, इस भाषा में मानवता है। सभी भारतीय भाषाओं का जन्म भारत माता के चरणों से हुआ है। वे सब एक हैं, हमें दुनिया को यह संदेश देना चाहिए कि ये भाषा देशभक्ति और मानवता की प्रतीक है। केंद्रीय बंदरगाह, जहाजरानी और जलमार्ग मंत्री सर्बानंद सोनोवाल ने कहा, हिंदी की सुंदरता और महानता का प्रसार करें। इसे एक सार्वभौमिक भाषा बनाएं। हिंदी एकता की भाषा है और इसका इस्तेमाल सभी भारतीयों को एक सूत्र में बांधता है। यह एक भारत, श्रेष्ठ भारत के लोकाचार का भी प्रदर्शन है जहां हम अपनी एकता और अखंडता को मजबूत करने के लिए विविधता को अपनाते हैं। सोनोवाल ने छात्रों को राष्ट्र-निर्माण गतिविधियों में उनकी आगे की यात्रा के लिए शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा, 1918 में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की ओर से स्थापित इस संस्थान में उपस्थित होना मेरे लिए बहुत सौभाग्य की बात है। समारोह में प्रवीण और विशारद परीक्षा उत्तीर्ण करने वाले लगभग 8,000 छात्रों ने अपनी डिग्री प्राप्त कीं। परीक्षा में सर्वोच्च अंक प्राप्त करने वाले चेन्नई के छात्रों और रैंक हासिल करने वाले स्नातकोत्तर छात्रों को कार्यक्रम में सम्मानित किया गया।

छोटी छोटी मदद किसी की जिंदगी रोशन कर सकती है

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
प्रयागराज। Gem of आधुनिक भारत से सम्मानित सुमित ने फिर साथियों ने छोटी छोटी सहयोग राशि सुमित के खाते में ट्रांसफर करना शुरू कर दिया,अच्छी

एक बार साबित कर दिया की वो Super Hero हैं 4-5 दिन पहले कानपुर के एक पत्रकार मित्र ने एक पोस्ट डाली जो एक छोटी सी लड़की लक्षिता के की मदद के लिए थी,सुमित की नजर उस पोस्ट में पड़ी तो सुमित ने भी कुछ करने का प्रयास किया,तो और अन्य खासी राशि इक्कठा हो गई,फिर वो पैसा सुमित उस बिटिया की मां के खाते में भेज दिया,कानपुर के स्थानीय लोगों ने भी खूब मदद की,आज उस बिटिया का सफल ऑपरेशन हो गया,अब छोटी बिटिया लक्षिता अपने पैरों में खुद चल सकेगी।

जीएल बजाज कॉलेज में हुआ रक्तदान

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नोएडा। स्थित जीएल बजाज कॉलेज में रोटरैक्ट क्लब ऑफ को प्रेरित करते हुए कहा, ठरक्तदान महादान है। एक यूनिट रक्त से चार लोगों की जान बचाई

जीएल बजाज ने रक्तदान शिविर का आयोजन किया। यह कार्यक्रम वाइस चेयरमैन रोटेरियन पंकज अग्रवाल के नेतृत्व और रोटरी क्लब ऑफ दिल्ली इंपीरियल के अध्यक्ष रोटेरियन राजेश कुमार अग्रवाल के सहयोग से आयोजित किया गया। इस शिविर में कॉलेज के छात्रों और शिक्षकों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। कुल 221 लोगों ने रक्तदान के लिए पंजीकरण कराया, लेकिन वजन और हीमोग्लोबिन की कमी के कारण 20 लोग रक्तदान नहीं कर सके। अंततः 201 यूनिट रक्त एकत्र किया गया। वाइस चेयरमैन पंकज अग्रवाल ने सभी जा सकती है। हमें इस मानव सेवा के लिए अधिक से अधिक रक्तदान करना चाहिए।कॉलेज के निदेशक डॉ. मानस कुमार मिश्रा ने बताया कि इस शिविर का मुख्य उद्देश्य देश की सेना और जरूरतमंद लोगों के लिए रक्त इकट्ठा करना था, ताकि जरूरत के समय रक्त की आपूर्ति की जा सके। कार्यक्रम में डीन छात्र कल्याण डॉ. महावीर सिंह नरुका, कार्यक्रम की संयोजक डॉ. प्रियंका दत्ता और साई तेजस्वी भी उपस्थित रहीं। यह शिविर मानवता की सेवा के लिए एक प्रेरणादायक पहल साबित हुआ।

त्याग की प्रतिमूर्ति नारी शक्ति की सशक्त आवाज़ है कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष श्रीमती सोनिया गांधी

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नोएडा। नोएडा महानगर कांग्रेस कमेटी सेक्टर-52,कांग्रेस कार्यालय पर कांग्रेस पार्टी की पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष सी पी पी चेयरमैन श्रीमती सोनिया गांधी का जन्मदिन 9 दिसंबर को महानगर कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष मुकेश यादव के नेतृत्व में केक काटकर बड़ी धूमधाम मनाया गया महानगर अध्यक्ष मुकेश यादव ने कहा की त्याग की प्रतिमूर्ति नारी शक्ति की सशक्त आवाज श्रीमती सोनिया गांधी है हम उनकी लंबी आयु की कामना करते हैं उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के सदस्य यतेन्द्र शर्मा ने कहा कि श्रीमती सोनिया

गांधी जी वंचित पिछड़ो किसानों की आवाज है और कांग्रेस पार्टी उनके नेतृत्व में आगे बढ़ी है अल्पसंख्यक कांग्रेस के राष्ट्रीय सचिव व हिमाचल प्रभारी लियाकत चौधरी ने कहा आज पूरा देश श्रीमती सोनिया गांधी का जन्मदिन बड़ी धूमधाम से मना रहा है उत्तर प्रदेश में सोनिया जी के जन्मदिन पर सामाजिक सद्भावना रक्त दान शिविर का आयोजन किया गया है इस मोके पर महानगर कांग्रेस अध्यक्ष मुकेशयादव,अल्पसंख्यक कांग्रेस के नेता लियाक़त चौधरी, उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी सदस्य यतेन्द्र शर्मा,नोएडा, महासचिव राम कुमार शर्मा,महासचिव विक्रम चौधरी, महासचिव दयाशंकर पांडये,पूर्व सदस्य सतेन्द्र शर्मा, सतीश पंचाल,अरुण शर्मा प्रधान, सैफी खान,सहित कांग्रेस जन उपस्थित थे।

महाकुम्भ -2025 के सकुशल एवं निर्विघ्न आयोजन

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
प्रयागराज। महाकुम्भ -2025 के सकुशल एवं निर्विघ्न आयोजन के दृष्टिगत दिनांक -09-12-2024 को मेला प्राधिकरण स्थित आई0सी0सी0सी0 सभागार में अपर पुलिस महानिदेशक जोन प्रयागराज, पुलिस आयुक्त प्रयागराज, मण्डलायुक्त, पुलिस महानिरीक्षक परिक्षेत्र प्रयागराज द्वारा भीड़ नियंत्रण, यातायात एवं मूवमेन्ट की सुदृढ़ एवं व्यवस्थित कार्ययोजना विकसित किए जाने हेतु वाह्य एवं आन्तरिक मूवमेन्ट प्लान तैयार किये जाने के सम्बन्ध में बैठक आहूत की गयी। जिसमें प्रमुखता से निम्न बिन्दुओं पर ध्यान आकृष्ट किया गया- 1- श्रद्धालुओ/यात्रियों के सुगम आवागमन हेतु संगम क्षेत्र से रेलवे स्टेशन तक जाने वाले निर्धारित मार्गों, होल्डिंग

एरिया, पार्किंग व्यवस्था इत्यादि पर विस्तृत चर्चा की गयी। 2- प्रयागराज जनपद को आने वाले प्रमुख मार्गों यथा वाराणसी- जौनपुर मार्ग/लखनऊ/कानपुर/प्रतापगढ़ मार्ग आदि के प्रबन्धन एवं सुगम संचालन व्यवस्था पर चर्चा की गयी। 3- मेला क्षेत्र में सुचारु एवं सुरक्षित आवागमन हेतु एकल मार्ग व्यवस्था का पालन किया जायेगा 4- मेले में ड्यूटी पर आये हुए पुलिस बल को समस्त मेला क्षेत्र व प्रयागराज जनपद को आने वाले प्रमुख 07 मार्गों की संचालन व्यवस्था की स्पष्ट जानकारी हो इसके लिए सभी स्थानों का पुलिस बल को भौतिक निरीक्षण/रिहर्सल कराये जाने का निर्णय उच्चाधिकारीगण द्वारा लिया गया। उक्त बैठक में अपर पुलिस आयुक्त प्रयागराज, पुलिस उपमहानिरीक्षक रेलवे, मेलाधिकारी, जिलाधिकारी प्रयागराज, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक कुम्भमेला, पुलिस उपायुक्त कुम्भ/यातायात/नगर/यमुनानगर/गंगानगर, अपर पुलिस उपायुक्त यातायात व अन्य प्रशासनिक/पुलिस अधिकारीगण तथा संगम क्षेत्र के समस्त थाना प्रभारियों द्वारा प्रतिभाग किया गया ।

NAINI INDUSTRIAL TRAINING CENTRE
(Govt. Affiliated, Star Graded, Record Holder, ISO Certified Training Centre)
सर्टिफिकेट इन फायर सेफ्टी एण्ड इण्डस्ट्रीयल सिक्योरिटी
फायर सेफ्टी पर जिसकी कमाण्ड, उसकी ही है ग्लोबल डिमाण्ड
कोर्स के बाद सेफ्टी सुपरवाइजर, फायर प्रोटेक्शन, सिक्योरिटी एडमिनिस्ट्रेटर आदि विभिन्न पदों पर नियुक्ति मिल जाती है।
रिलीफ एजेन्सी N.G.O., डिफेन्स सर्विसेज फायर सर्विस आर्डिनेन्स फैक्ट्री, महानगर पालिका, नगर निगम, एयरपोर्ट, पावर प्लांट, स्टील प्लान्ट, माइनिंग इन्डस्ट्रीज,पेट्रोलियम कम्पनी, फूड इण्डस्ट्रीज, रिफाइनरीज, टेक्सटाइल मिल, टावर कम्पनी, इलेक्ट्रानिक कम्पनी, कोयले की खदानों एवं जहाजों आदि क्षेत्रों में फायर सेफ्टी के जानकारों को बहुत अधिक मौका मिलता है
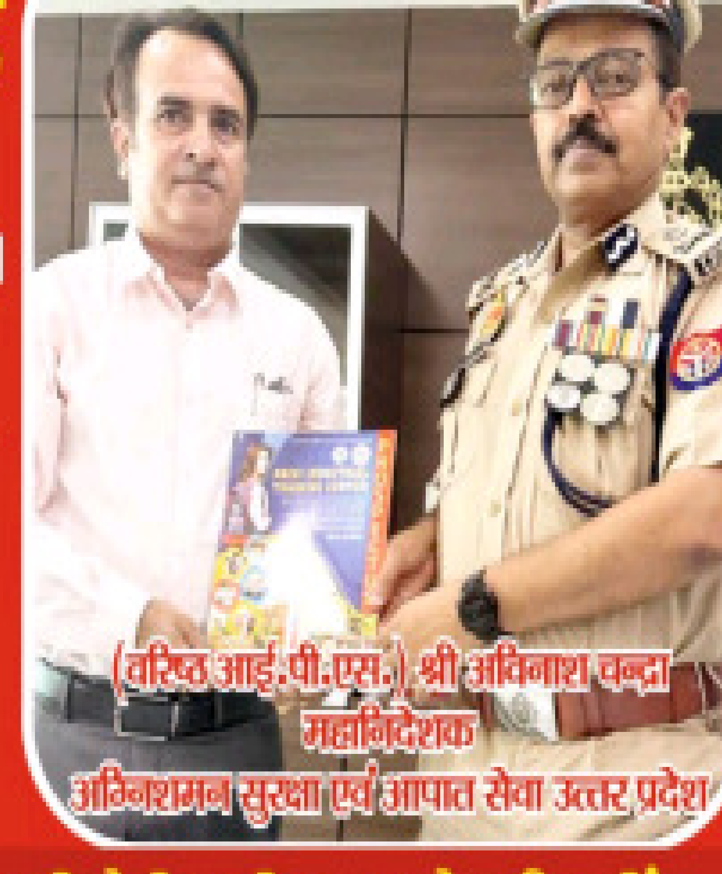

नोटः फायर सेफ्टी कोर्स करें और देश -विदेश, सरकारी और प्राइवेट क्षेत्रों में अच्छे पैकेज के साथ नौकरी पायें।
Visit us at www.nainiiti.com Call: 9415608710, 7459860480
Enjoy Publicity

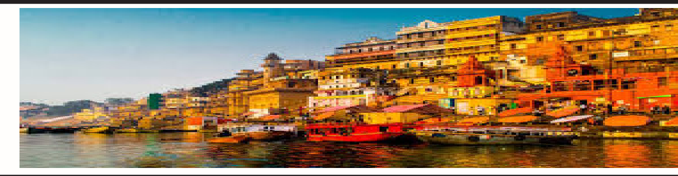

दिव्यांग बच्चों के चिकित्सीय परीक्षण 19, 26 दिसम्बर एवं 02, 09, 16 व 23 जनवरी को

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
रायबरेली। जिला दिव्यांगजन सशाक्तीकरण अधिकारी मोहन त्रिपाठी ने बताया है कि समेकित शिक्षा योजनान्तर्गत दिव्यांग बच्चो को दिव्यांग प्रमाण पत्र/यू0डी0आई0डी0 निर्गत करने हेतु मेडिकल असेसमेन्ट कैम्प 23 जुलाई 2024 से 22 अगस्त 2024 तक आयोजित किये गये थे। जिनमें परीक्षणोपरान्त दिव्यांग बच्चों के दिव्यांग प्रमाण पत्र निर्गत करने के क्रम में दिव्यांग बोर्ड द्वारा दिव्यांग बच्चों को विभिन्न परीक्षण हेतु रेफर किया गया है, रेफर किये गये दिव्यांग बच्चों के चिकित्सीय परीक्षण एम्स, रायबरेली/जिला चिकित्सालय, रायबरेली में 19, 26 दिसम्बर 2024 एवं 02, 09, 16, व 26 जनवरी 2025 को किये जाएगे। पूर्व में मानसिक मंदित/मूक बधिर दिव्यांग जनों को परीक्षण हेतु लखनऊ जाना पड़ता था जिससे उन्हें अत्यन्त परेशानी का सामना करना पड़ता था मुख्य विकास अधिकारी रायबरेली अर्पित उपाध्याय ने इसको संज्ञान में लेकर संवेदनशीलता के साथ जनपद रायबरेली में ही मानसिक मंदित/मूक बधिर दिव्यांगजनों का परीक्षण कराने के लिए एम्स रायबरेली में व्यवस्था कराई। इसमें मुख्य चिकित्साधिकारी एवं जिला दिव्यांगजन सशक्तीकरण अधिकारी रायबरेली मोहन त्रिपाठी ने एम्स रायबरेली/जिला चिकित्सालय रायबरेली से समन्वय स्थापित कर इस कार्य की विस्तृत कार्य योजना प्रस्तुत की।उपरोक्त तिथियों में दिव्यांग बच्चों को खण्ड शिक्षा अधिकारी एवं स्पेशल एजूकेटर के नाध्यम से उक्त बच्चों को परीक्षण स्थल पर लाने हेतु व्यवस्था की गयी है।

विकास खण्ड चतरा में कृषि निवेश मेले का आयोजन

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
रामगढ़। मंगलवार को विकास खंड परिसर चतरा कृषि विभाग द्वारा

कृषि सूचनातंत्र के सुदृढ़ीकरण एवं कृषक जागरूकता कार्यक्रम के अंतर्गत विकासखंड स्तरीय कृषि निवेश मेला/गोष्टी का आयोजन किया गया जिसकी अध्यक्षता खंड विकास अधिकारी चतरा लाल जी शुक्ल के द्वारा किया गया कार्यक्रम में सर्वप्रथम दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया जिसमें सर्वप्रथम राजकीय कृषि बीज भंडार प्रभारी सौरभ कुमार सिंह द्वारा बीज भंडार से वितरित बीजों एवं बीज की उपलब्धता के बारे में विस्तार से जानकारी दिया गोष्ठी में आए हुए विषय वस्तु विशेषज्ञ डॉक्टर सुधीर कुमार खन्ना द्वारा कृषकों को वैज्ञानिक खेती समेकित कीट एवं रोग प्रबंधन गेहूं एवं दलहन, तिलहन की उन्नतशील खेती के बारे में विस्तृत जानकारी उपसथित कृषकों को दिया कार्यक्रम में उपस्थित प्रगतिशील कृषक शिव प्रकाश सिंह द्वारा कृषकों से वैज्ञानिक पद्धति से खेती उच्च एवं प्रमाणित बीज का चयन एवं अन्य विभागीय योजनाओं से लाभान्वित होने के लिए कृषकों से आग्रह किए पशुपालन विभाग के अधिकारी ने पशुपालकों को विभाग की योजनाओं की विस्तृत जानकारी दिया उसके बाद सहायक विकास अधिकारी (कृषि) राकेश कुमार सिंह द्वारा कृषि विभाग, उद्यान विभाग के लाभप्रद योजनाओं के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई इस मौके पर सहायक सांख्यिकी अधिकारी अखिलेश सिंह, सहायक विकास अधिकारी सहकारिता अनूप रावत, कृषि विभाग के नरेंद्र पाल, आदर्श कुमार सिंह एवं प्रगतिशील कृषक राजबली सिंह, विद्यापति मौर्य, महेंद्र प्रताप, देव कांत, दशरथ मौर्य, सिद्धनाथ मौर्य के साथ साथ लगभग 200 कृषकों ने प्रतिभाग किया।

उत्तर प्रदेश का आयुष विभाग (यूनानी) निरन्तर प्रगति की ओर अग्रसर

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार के कुशल नेतृत्व में आयुष विभाग (यूनानी) निरंतर प्रगति के पथ पर अग्रसर है। प्रदेश में 02 राजकीय यूनानी महाविद्यालय लखनऊ एवं प्रयागराज में संचालित है जिनकी चिकित्सा क्षेत्र में विशेष उपलब्धियां है। शैक्षणिक सत्र-2024-25 हेतु उन दोनों महाविद्यालयों में भारतीय चिकित्सा पद्धति राष्ट्रीय आयोग, आयुष मंत्रालय भारत सरकार, नई दिल्ली द्वारा बी0यू0एम0एस0 एवं एम0डी0/एम0एस0 पाठ्यकर्मो की सीटों में वृद्धि प्रदान की गयी है।प्रदेश के राजकीय यूनानी मेडिकल कालेज एवं चिकित्सालय प्रयागराज में बी0यू0एम0एस0 की सीटों को 71 से बढ़ाकर 75 सीटों एवं एम0डी0/एम0एस0 पाठ्यक्रम के लिए 27 से बढ़ाकर 37 सीटों की प्रवेश हेतु अनुमति प्रदान की गई है। इसी प्रकार राजकीय तकमील उत्तिब कालेज एवं चिकित्सालय, लखनऊ में बी0यू0एम0एस0 की सीटों को 70 से बढ़ाकर 75 सीटों एवं एम0डी0/एम0एस0 पाठ्यक्रमों के लिए 32 से बढ़ाकर 35 सीटों की प्रवेश की अनुमति प्रदान की गई है जिसके परिणाम स्वरूप छात्रों को और अधिक अवसर प्राप्त हो रहे है। इससे प्रदेश में ही नहीं बल्कि देश में भी इन संस्थाओं एवं यूनानी के प्रचार-प्रसार में अभूतपूर्व सफलता प्राप्त होगी। ऑल इंडिया आयुष पोस्ट ग्रेजुएट प्रवेश परीक्षा (ध्ंइउँ) 2024 में प्रदेश के दोनों राजकीय यूनानी मेडिकल कालेजों के छात्र-छात्राओं ने असाधारण प्रदर्शन करते हुए प्रदेश एवं दोनों संस्थाओं का नाम रौशन करते हुए वरीयता सूची में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त किया है।राजकीय यूनानी मेडिकल कालेज एवं चिकित्सालय प्रयागराज की 2016 बैच की होनहार छात्रा डा0 रहीन फातिमा निवासिनी लार, जनपद देवरिया ने उक्त परीक्षा में 99.95 पर्सेंटाइल अंक प्राप्त कर प्रथम स्थान प्राप्त किया है। राजकीय तकमील उत्तिब कालेज एवं चिकित्सालय लखनऊ की छात्रा डा0 नबीला ने द्वितीय स्थान तथा राजकीय मेडिकल कालेज एवं चिकित्सालय प्रयागराज के छात्र डा0 मो0 जुनैद ने अपने दृढ़ संकल्प एवं मेहनत से तृतीय स्थान प्राप्त किया। उक्त छात्रों की सफलता प्रदेश के दोनों राजकीय यूनानी महाविद्यालयों के शिक्षकों तथा इन शैक्षणिक संस्थानों की उच्च गुणवत्ता की शिक्षा एवं प्रशिक्षण, तथा छात्रों की योग्यता एवं मेहनत का परिणाम है।राजकीय यूनानी मेडिकल कालेज एवं चिकित्सालय प्रयागराज में भारतीय चिकित्सा पद्धति राष्ट्रीय आयोग, आयुष मंत्रालय, भारत सरकार नई दिल्ली के निर्देशानुसार दिनांक 24 से 26 जून 2024 तक कॉलेज सभागार में आयुर्वेद, यूनानी एवं सिद्धा कालेजों के स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम के गाइडों हेतु वैज्ञानिक लेखन एवं अनुसंधान नीति विषय पर देश का अपने प्रकार की प्रथम कार्यशाला आयोजित की गई जिसमें देश के विभिन्न आयुर्वेद, यूनानी एवं सिद्धा कालेजों के 60 पी0जी0 गाइड के अतिरिक्त संस्था के शिक्षक तथा पी0जी0 छात्र-छात्राओं ने प्रतिभाग किया। इस कार्यशाला में आयुष विद्याओं के प्रतिष्ठित एवं विद्धान शिक्षा विदों ने अपने व्याख्यान प्रस्तुत किये।क्षेत्रीय अनुसंधान केन्द्र (यूनानी) प्रयागराज, केन्द्रीय यूनानी चिकित्सा अनुसंधान परिषद नई दिल्ली, आयुष मंत्रालय भारत सरकार तथा राजकीय यूनानी मेडिकल कालेज एवं चिकित्सालय प्रयागराज के संयुक्त तत्वाधान में संस्था के सभागार में ष्जीवन शैली से जुड़ी बीमारियों पर यूनानी औषधियों की भूमिकाष् शीर्षक पर दिनांक 31 जनवरी 2024 को एक दिवसीय नेशनल सेमिनार का आयोजन किया गया जिसमें वक्ताओं ने जीवन शैली से जुड़ी बीमारियों पर होने वाले प्रभाव एवं बचाव हेतु यूनानी औषधियों की भूमिका पर विस्तार से प्रकाश डाला। राजकीय यूनानी मेडिकल कालेज एवं चिकित्सालय प्रयागराज के परिसर में रु0-883.30 लाख की लागत से प्रदेश सरकार द्वारा अधिकारियों एवं कर्मचारियों के आवास का निर्माण कार्य कराया जा रहा है प्रदेश में सरकार द्वारा आयुष विभाग के अन्तर्गत संचालित दोनों राजकीय महाविद्यालयों में उच्च कोटि की शैक्षणिक व्यवस्था, छात्र-छात्राओं की सफलता एवं विकास कार्यों आदि पर विशेष बल दिया जा रहा है।

टीपर के चपेट में आने से बाइक सवार एक की दर्दनाक मौत

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
चोपन सोनभद्र। चोपन थाना क्षेत्र के सिंदुरिया ग्राम स्थित रेणुका पुल पर अल सुबह लगभग सात बजे बालू लेकर जा रही टीपर की चपेट में आने से एक बाईक सवार की दर्दनाक मौत हो गई जबकि दो अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हो गये। सूचना पर मौके में पहुंची पीआरबी ने घायलों को एम्बुलेंस की सहायता से चोपन सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया ।जहां पर चिकित्सक ने एक की स्थिति गंभीर देखते हुए जिला अस्पताल लोढ़ी के लिए रेफर कर दिया तथा दूसरे का इलाज जारी है। वहीं घटना के बाद वाहन चालक वाहन खड़ी कर मौके से फरार हो गया। मिली जानकारी के अनुसार जुगैल थाना क्षेत्र के रहने वाले सभी बाइक सवार एक ही बाइक पर सवार होकर ओबरा काम करने जा रहे थे कि अचानक सिंदूरिया स्थित रेणुका पुल पर टीपर की चपेट में आ गए जिसकी वजह से जुगैल थाना क्षेत्र के निवासी इंद्रजीत उम्र लगभग 30 वर्ष पुत्र लालाजी की मौके पर दर्दनाक मौत हो गई जबकि दो घायलों को 108 एंबुलेंस की सहायता से सीएससी चोपन इलाज के लिए लाया गया। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार सड़क दुर्घटना में घायल दो लोगों की गंभीर अवस्था में अस्पताल लाया गया था जिसमें जुगैल का रहने वाला रिंकू वर्ष लगभग 35 वर्ष का प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल बेहतर इलाज के लिए भेज दिया गया और वहीं दूसरा जुगैल थाना क्षेत्र के बालियादार के रहने वाले चंद्रशेखर उम्र लगभग 55 वर्ष दुर्घटना में बाल बाल बच गया जिन्हें हल्की छोटे आई है ।

11 दिसम्बर को महिला आयोग की मा0 उपाध्यक्ष की अध्यक्षता में महिला जनसुनवाई

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
रायबरेली। उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग की मा0 उपाध्यक्ष अपर्णा यादव 11 दिसम्बर 2024 को प्रातः 09 बजे जनपद के जिला महिला चिकित्सालय, वन स्टाफ सेंटर, महिला बंदी तथा आंगनबाड़ी केंद्र का निरीक्षण करेंगी। इसके बाद प्रातः 11:00 बजे से निरीक्षण भवन गेस्ट हाउस में महिला कल्याण विभाग के अधिकारियों व जनपदीय अधिकारियों के साथ महिला उत्पीड़न की समस्याओं से संबंधित बैठक करेंगी बैठक उपरांत मा0 उपाध्यक्ष महिला जनसुनवाई करेंगी।

विश्व मानवाधिकार दिवस के अवसर पर जागरूकता शिविर का आयोजन संपन्न

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
रायबरेली। माननीय उ0प्र0 राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, लखनऊ के निर्देशानुसार व माननीय जनपद न्यायाधीश/अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, रायबरेली राजकुमार सिंह के दिशा-निर्देशन में विश्व मानवाधिकार दिवस के अवसर पर जिला विधिक सेवा प्राधिकरण रायबरेली द्वारा तहसील-महराजगंज के अन्तर्गत विकास खण्ड-बछरावाँ में विशेष जागरुकता शिविर का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में अनुपम शौर्य, अपर जिला जज/सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, रायबरेली के द्वारा बताया गया कि मानवाधिकार दिवस हर साल 10 दिसंबर को अंतरराष्ट्रीय समुदाय द्वारा मनाया जाता है। यह उस दिन की याद दिलाता है जब 1948 में संयुक्त राष्ट्र महासभा ने मानवाधिकारों की सार्वभौमिक घोषणा को अपनाया था। 2024 के मानवाधिकार दिवस की थीम है, 'हमारे अधिकार, हमारा भविष्य, बिल्कुल अभी' हैं। मानवाधिकार व्यक्तियों और समुदायों को बेहतर कल बनाने के लिए सशक्त बनाता हैं। मानवाधिकारों की पूरी शक्ति को अपनाकर और उस पर भरोसा करके, जिस दुनिया को हम चाहते हैं, उसके मार्ग के रूप में, हम अधिक शांतिपूर्ण, समान और टिकाऊ बन सकते हैं। उक्त कार्यक्रम में बताया गया कि इस वर्ष का विषय हमारे दैनिक जीवन में मानवाधिकारों के महत्व और प्रासंगिकता को स्वीकार करने का आह्वान है। हमारे पास घृणास्पद भाषण के खिलाफ़ आवाज़ उठाने, गलत सूचना को सही करने और गलत सूचना का मुकाबला करके धारणाओं को बदलने का अवसर है। यह मानवाधिकारों के लिए एक वैश्विक आंदोलन को फिर से जीवंत करने के लिए कार्रवाई को संगठित करने का समय है। उक्त अवसर पर पराविधिक स्वयं सेवक बृजपाल के द्वारा बताया गया कि मानवाधिकारों की सार्वभौमिक

घोषणा में मौलिक अधिकारों और स्वतंत्रताओं की एक विस्तृत श्रृंखला निर्धारित की गई है, जिसके हम सभी हकदार हैं। यह राष्ट्रीयता, निवास स्थान, लिंग, राष्ट्रीय या जातीय मूल, धर्म, भाषा या किसी अन्य स्थिति के आधार पर भेदभाव किए बिना हर व्यक्ति के अधिकारों की गारंटी देता है। उक्त कार्यक्रम में मानवाधिकार कार्यकर्ता अखिल सिंधू, आशा जी, शिवलाल बौद्ध, अतीक अहमद, ग्राम प्रधान सरौरा पूर्णमासी दीन, ग्राम प्रधान व प्रधान संध अध्यक्ष विकास खण्ड बछरावा अरुण नरायण वर्मा, ग्राम प्रधान बन्नावाँ रामनरेश व पराविधिक स्वयं सेवक रामकुमार, सरिता, जलिपा, सरिता देवी व करुणा सिंह उपस्थित रहे। इसके अतिरिक्त जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा विश्व मानवाधिकार दिवस के अवसर तहसील-सदर स्थित राजकीय इण्टर कालेज रायबरेली व तहसील ऊँचाहार के कमालपुर गांव में वृहद शिविर का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में प्रधानाचार्य रत्नेश श्रीवास्तव, उपप्रधानाचार्य प्रत्यूष, शिक्षकगण धर्मेन्द्र शुक्ला, ज्ञान प्रकाश, राजेन्द्र कुमार, रामकृपाल द्विवेदी व पराविधिक स्वयं सेवक पवन कुमार श्रीवास्तव, पूनम सिंह पम्मी देवी व जितेन्द्र कुमार द्विवेदी उपस्थित रहे।

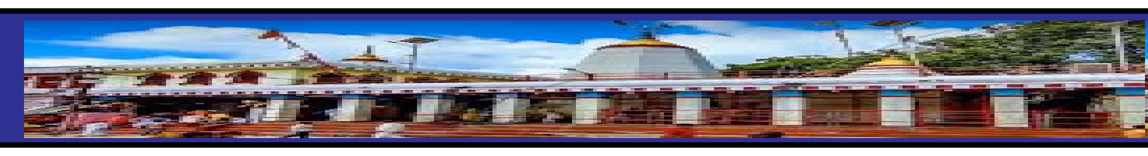

राज्य विद्युत परिषद जूनियर इंजीनियर संगठन जनपद शाखा की मासिक बैठक संपन्न

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

सोनभद्र। राज्य विद्युत परिषद जूनियर इंजीनियर्स संगठन, उत्तर प्रदेश की जनपद शाखा सोनभद्र

की मासिक बैठक मंगलवार को शाखा अध्यक्ष ई राजेन्द्र प्रसाद की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक में जनपद/ परियोजना के सभी सदस्यों ने प्रतिभाग किया उक्त बैठक में बक्ताओं ने उत्तर प्रदेश पावर कॉरपोरेशन द्वारा पूर्वांचल एवं दक्षिणांचल विद्युत वितरण निगम लिमिटेड के प्रस्तावित निजीकरण पर गहरा रोष व्यक्त किया तथा विभाग एवं परिवार के भविष्य को बचाने के लिए हर स्तर के संघर्ष का संकल्प लिया गया। बैठक में वक्ताओं ने कहा कि जिन आंकड़ों के आधार पर कॉरपोरेशन पूर्वांचल एवं दक्षिणांचल डिस्कॉम का निजीकरण किया जा रहा है है उनकी विश्वसनीयता संदिग्ध है। अभी माह जुलाई 2024 में कॉरपोरेशन द्वारा उत्तर प्रदेश सरकार को प्रस्तुत आकड़ों में राजस्व वसूली से लेकर लाइन हानियां रोकने, बेहतर विद्युत आपूर्ति तथा बिलिंग दक्षता आदि सभी पैरा मीटर में उल्लेखनीय प्रगति की बात कही गई थी तीन चार माह में ही विपरीत आंकड़े प्रस्तुत कर विभाग को ऋण जाल में फंसे होने की बात कहा जाना सच्चाई से परे मात्र आंकड़ों की बाजीगरी के सिवा कुछ नहीं है। वक्ताओं ने कहा कि विद्युत कर्मियों द्वारा सीमित संसाधन एवम् अपर्याप्त सुरक्षा व्यवस्था में में दिन-रात मेहनत कर क्षमता विस्तार, डाटा क्लीनिंग एवं बेहतर विद्युत आपूर्ति के अभूतपूर्व कार्य किए गए, उसके सकारात्मक परिणाम आने शुरू हुए हैं। देश भर में सर्वाधिक 30000 मेगावाट (एक दिन में) की विद्युत आपूर्ति इन्हीं जूनियर इंजीनियर एवं विद्युत कर्मियों द्वारा की गई थी। इन सब के बाद भी उड़ीसा मॉडल पर निजीकरण किया जाना एक छलावा है। जिससे विद्युत उपभोक्ता, किसान, मध्यम एवं निम्न आय वर्ग के व्यापारी एवं आम जनमानस पर महंगी बिजली खरीदने के लिए बाध्य होंगे साथ ही जूनियर इंजीनियर एवं विद्युत कर्मियों का भविष्य अंधकार मय हो जाएगा। ज्ञातव्य है की उड़ीसा मॉडल एक असफल प्रयोग है जहां पर आज भी विद्युत हानियां 20ङ्क के ऊपर हैं जबकि उत्तर प्रदेश में यह 19 प्रतिशत के आसपास हैं और वर्तमान में जारी रिवेंप आदि योजनाओं के पूर्ण होने पर लाइन हानियां 15 प्रतिशत पर आ जाएगी। वक्ताओं ने मुख्यमंत्री ऊर्जा मंत्री ली से अपील की कि वह प्रभावी हस्तक्षेप करते हुए कॉरपोरेशन द्वारा लिए गए निजीकरण के फैसले को आम जनमानस विद्युत उपभोक्ताओं एवं विद्युत कर्मियों के हित में तत्काल निरस्त करने की मांग की, आपके कुशल नेतृत्व में सभी सभी विद्युत कर्मी और अधिक मेहनत तथा लगन से कार्य कर प्रदेश के विकास में अपना पूर्ण योगदान दे सके। सभा में मुख्य रूप से इं रत्नेश सेठ, इं महेश कुमार, ई श्रवण कुमार, इं संजय सिंह, इं कमलेश बिन्द, इं अनिल सिंह, इं कन्हैया तिवारी ,ई. चन्दन गुप्ता प्रचार सचिव इत्यादि ने अपने विचार रखें अंत में जिला इकाई द्वारा सर्वसम्माति से निजीकरण के विरुद्ध अपने परिवार एवं विभाग को बचाने हेतु निजीकरण के विरुद्ध संगठन के प्रत्येक संघर्ष कार्यक्रम का पूरा समर्थन करने का प्रस्ताव पारित किया।

एसबीए चुनावः 20 लोगों ने लिया पर्चा

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

सोनभद्र। बहु प्रतीक्षित सोनभद्र बार एसोसिएशन सोनभद्र के निर्वाचन सत्र 2024।25 के लिए हो रहे मतदान के लिए नामांकन पत्र वितरण के प्रथम दिन मंगलवार को अध्यक्ष, तीन प्रत्याशियों संजय कुमार पांडेय, प्रदीप देव पांडेय एवं पुष्पा तिग्गा तथा उपाध्यक्ष 10 वर्ष से नीचे के लिए आशुतोष कुमार दुबे व अखिलेश कुमार मिश्र , कोषाध्यक्ष के लिए आशीष कुमार मिश्र व वीरेंद्र कुमार

वरिष्ठ उपाध्यक्ष, उपाध्यक्ष 10 वर्ष से नीचे, उपाध्यक्ष 10 वर्ष से ऊपर, महामंत्री, कोषाध्यक्ष,संयुक्त मंत्री एवं कार्यकारिणी सहित भिन्न-भिन्न पदों के लिए कुल 20 लोगों ने पर्चा लिया। जिसमें अध्यक्ष, वरिष्ठ उपाध्यक्ष, उपाध्यक्ष 10 बर्ष से नीचे, महामंत्री व कोषाध्यक्ष पद के लिए दो - दो लोगों ने पर्चा लिया है। वहीं उपाध्यक्ष 10 वर्ष से ऊपर के लिए 3 लोगों ने पर्चा लिया है। मुख्य निर्वाचन अधिकारी शशि कुमार मिश्र ने बताया कि अध्यक्ष पद के लिए दो प्रत्याशी अरुण कुमार मिश्र व ओम प्रकाश पाठक, वरिष्ठ उपाध्यक्ष पद के लिए दो प्रत्याशी शारदा प्रसाद मौर्या एवं गोविंद प्रसाद मिश्र, महामंत्री पद के लिए दो प्रत्याशी अरुण कुमार सिंघल एवं योगेश कुमार द्विवेदी, उपाध्यक्ष 10 वर्ष से ऊपर के लिए सिंह तथा संयुक्त मंत्री प्रशासन अजय प्रकाश मिश्र व संयुक्त मंत्री प्रकाशन गीता गौर ने पर्चा लिया है। वही सदस्य कार्यकारिणी 15 वर्ष से ऊपर के लिए एक प्रत्याशी सेराज अख्तर खां एवं सदस्य कार्यकारिणी 15 वर्ष से नीचे के लिए चार प्रत्याशी आशीष कुमार पाल, राहुल जैन, कंचन व रामशंकर चौधरी ने पर्चा लिया है। उन्होंने यह भी बताया कि बुधवार को नामांकन पत्र के विक्रय की आखिरी तिथि नियत है। 11 दिसंबर एवं 12 दिसंबर को प्रत्याशी अपना पर्चा दाखिल करेंगे। उधर अध्यक्ष, महामंत्री, वरिष्ठ उपाध्यक्ष और कोषाध्यक्ष पद के प्रत्याशियों द्वारा समर्थकों के साथ वकील मतदाताओं से संपर्क किया गया। जिसकी वजह से चुनावी सरगर्मी तेज हो गई।

उत्तर प्रदेश के सोनभद्र की महिला सरपंच, दिल्ली के राष्ट्रीय कार्यक्रम के लिए चयनित

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

सोनभद्र। उत्तर प्रदेश के जनपद सोनभद्र सदर तहसील क्षेत्र के ऊंचडीह ग्राम प्रधान बेस्ट सरपंच अर्चना त्रिपाठी सम्लित हुई जिसमें उत्तर प्रदेश के तीन जनपदों में जनपद सोनभद्र से भी एक

नाम सम्लित हुआ। नई दिल्ली में क्वालिटी काउंसिल ऑफ इंडिया व सरपंच संवाद के तत्वावधान आयोजित होने वाली 10 व 11 दिसम्बर को दो दिवसीय महिला सरपंच मीट का हिस्सा बनेगी। नई दिल्ली के विश्व युवक केंद्र में आयोजित होने वाले समारोह में देशभर की लगभग 40 से अधिक उत्कृष्ट महिला सरपंच जिन्होंने अपने बलबूते विकास के नए आयाम स्थापित किये तथा क्षेत्रीय चुनोतियो का सामना करते हुए अपनी पंचायत को विशिष्ट पहचान दिलाई। इस कार्यक्रम का संचालन देश की जानी-मानी सरपंच भक्ति शर्मा जो अमेरिकी कंपनी की नौकरी छोड़ अपने गांव का विकास करने के लिए सरपंच बनी आज देश के लिए वह एक नजीर बन चुकी हैं भक्ति शर्मा जी इस समय भारतीय जनता पार्टी की युवा मोर्चा की राष्ट्रीय सचिव है।जनपद सोनभद्र के ऊंचडीह गांव प्रधान अर्चना त्रिपाठी ने अपने गांव को गुमनामी के अंदर से निकलकर देश व प्रदेश में विशिष्ट पहचान दिलाई है तथा विकास के नए आयाम स्थापित किए हैं। गांव के विकास के लिए विशेष कार्ययोजना बनाकर कार्य किया तथा सरकार के विभिन्न मानकों के आधार पर कार्य करते हुए गुणवत्तापूर्ण कार्य किये। जिससे उनका चयन हुआ है। ज्ञातव्य भी है कि जनपद सोनभद्र के उँचडीह ग्राम प्रधान पहली बार सरपंच है तथा अपने गांव में विकास के नए आयाम स्थापित किए हैं । ग्राम प्रधान को दर्जनों से अधिक सरकारी व गैर सरकारी सम्मान से नवाजा जा चुका है। इस वर्ष दिल्ली में आयोजित हुई 'सरपंच शी रिप्रेजेंट 2024' में भी उत्तर प्रदेश का प्रतिनिधित्व कर रही है।

विकास खण्ड चतरा में कृषि निवेश मेले का आयोजन

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

रामगढ़। मंगलवार को विकास खंड परिसर चतरा कृषि विभाग द्वारा कृषि सूचनातंत्र के सुदृढ़ीकरण एवं कृषक जागरूकता कार्यक्रम के अंतर्गत विकासखंड स्तरीय कृषि निवेश मेला/गोष्टी का आयोजन किया गया जिसकी अध्यक्षता खंड विकास अधिकारी चतरा लाल जी शुक्ल के द्वारा किया गया कार्यक्रम प्रगतिशील कृषक शिव प्रकाश सिंह द्वारा कृषकों से वैज्ञानिक पद्धति से खेती उच्च एवं प्रमाणित बीज का चयन एवं अन्य विभागीय योजनाओं से लाभान्वित होने के लिए कृषकों से आग्रह किए पशुपालन विभाग के अधिकारी ने पशुपालकों को विभाग की योजनाओं की विस्तृत जानकारी दिया उसके बाद सहायक विकास अधिकारी (कृषि) राकेश कुमार सिंह

में सर्वप्रथम दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया जिसमें सर्वप्रथम राजकीय कृषि बीज भंडार प्रभारी सौरभ कुमार सिंह द्वारा बीज भंडार से वितरित बीजों एवं बीज की उपलब्धता के बारे में विस्तार से जानकारी दिया गोष्ठी में आए हुए विषय वस्तु विशेषज्ञ डॉक्टर सुधीर कुमार खन्ना द्वारा कृषकों को वैज्ञानिक खेती समेकित कीट एवं रोग प्रबंधन गेहूं एवं दलहन, तिलहन की उन्नतशील खेती के बारे में विस्तृत जानकारी उपस्थित कृषकों को दिया कार्यक्रम में उपस्थित द्वारा कृषि विभाग, उद्यान विभाग के लाभप्रद योजनाओं के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई इस मौके पर सहायक सांख्यिकी अधिकारी अखिलेश सिंह, सहायक विकास अधिकारी सहकारिता अनूप रावत, कृषि विभाग के नरेंद्र पाल, आदर्श कुमार सिंह एवं प्रगतिशील कृषक राजबली सिंह, विद्यापति मौर्य, महेंद्र प्रताप, देव कांत, दशरथ मौर्य, सिद्धनाथ मौर्य के साथ साथ लगभग 200 कृषकों ने प्रतिभाग किया।

महिला सुरक्षा से जागरूकता तक चला रही पुलिस अभियान

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

सोनभद्र। उ0प्र0 सरकार की महत्वकांक्षी योजना मिशन शक्ति

अभियान फेज-5 के अन्तर्गत महिला सशक्तिकरण हेतु विशेष अभियान के अंतर्गत जनपदीय पुलिस द्वारा ग्राम/कस्बा/मौहल्ला/शिक्षण संस्थानों इत्यादि पर भ्रमण/चौपाल लगाकर छात्राओं/बालिकाओं एवं महिलाओं को उनके अधिकारों, वूमेन पावर लाइन-1090, यूपी-112, विभिन्न हेल्पलाइन नंबरों की जानकारी देकर किया गया जागरूकः उ0प्र0 सरकार की महत्वकांक्षी योजना ङ्कमिशन शक्ति अभियान फेज-5 के अन्तर्गत मंगलवार को नारी सुरक्षा/नारी सम्मान/नारी स्वावलंबन के प्रति जनपद सोनभद्र में महिलाओं एवं बालिकाओं में सुरक्षा, सशक्तिकरण एवं विश्वास का वातावरण बनाने के उद्देश्य से पुलिस अधीक्षक अशोक कुमार मीणा के निर्देशन में ठमिशन शक्ति 5.0ठ अभियान के अन्तर्गत जनपद के सभी थानों द्वारा प्रमुख बाजारों, कस्बा,चौराहों, स्कूलों/कॉलेजों, धार्मिक स्थलों तथा अन्य महत्वपूर्ण स्थानों पर महिला पुलिस कर्मियों द्वारा शासन व पुलिस विभाग द्वारा महिलाओं की सुरक्षा और सशक्तिकरण स्वावलंबन हेतु चलाई जा रही विभिन्न विभागों की योजनाओं जैसे मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना, निराश्रित महिला पेंशन योजना, उ0प्र0 राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन, राष्ट्रीय पोषण योजना, मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना, बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ, प्रधानमंत्री उज्जवला योजना, पी0एम0 स्वानिधि योजना, पी0एम0 सम्मान निधि योजना, वन स्टाप सेन्टर, आयुष्मान योजना, सुरक्षित मातृत्व आश्वासन सुमन योजना, प्रधानमंत्री फ्री सिलाई योजना, महिला शक्ति केन्द्र योजना, मुख्यमंत्री अभ्युदय योजना, कन्या सुमंगला योजना, महिला ई-हाट योजना तथा पुलिस विभाग से संबंधित विभिन्न हेल्पलाइन नंबरों वीमेन पावर लाइन 1090, पुलिस आपातकालीन सेवा-112 इमरजेन्सी कॉल/पैनिक बटन-मोबाइल पर डेमो, सी0एम0 हेल्प लाइन 1076, स्वास्थ्य सेवा हेल्प लाइन-102, एम्बुलेंस सेवा-108, महिला हेल्प लाईन-181, साईबर क्राईम हेल्प लाईन 1930 आदि के बारे मे पंपलेट बांटकर जागरूक किया गया ।

दूसरे दिन जिला स्तरीय जूनियर बालक फुटबाल प्रतियोगिता आयोजित

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

सोनभद्र। समीम अहमद क्रीड़ा अधिकारी सोनभद्र ने बताया कि लिया गया जिसमें ओबरा की आरे से अभिषेक ने विजयी, गोल दाग कर फाइनल में प्रवेश किया।

खेल निदेशालय, उ0प्र0, लखनऊ के तत्वावधान में जिला खेल कार्यालय सोनभद्र के द्वारा जनपद स्तरीय जूनियर वर्ग बालक फुटबाल प्रतियोगिता का आयोजन विशिष्ट स्पोर्टस स्टेडियम तियरा रावर्टसगंज सोनभद्र में आज दुसरे 9. को तीन मैच खेल गये। मंगलवार को पहला मैच स्टेडियम ए बनाम स्टेडियम बी के मध्य खेला गया। जिसमें स्टेडियम बी की टीम 4-0 से विजेता होते हुये सेमी फाइनल में प्रवेश किया। स्टेडियम बी की ओर से अंशूमान, सूरज, अंशू, विकाश ने गोल दागे। आज का दुसरा सेमीफाइन मैच, स्टेडियम ए बनाम ओबरा के मध्य खेला गया। जिसमे गेम के दौरान दोनो टीमों ने एक-एक गोल किये स्टेडियम की आरे से नागेन्द्र ने ओबरा की ओर से विक्की ने गोल किये। मैच का निर्णय न होने से टाई ब्रकर का सहारा लेना पडा जिसमें ओबरा की ओर से अनूज, शनी, ने एवं स्टेडियम बी की ओर से विकाश यादव, सुरज ने गोल किये ट्रइ बेकर बराबरी पर छुटा जिसके बाद सडेन डेथ का सहारा फाइनल मैच ओबरा स्पार्टिगं बनाम तीरंदाजी हास्टल के मध्य खेला गया जिसमें दोनो टीमों की ओर से मैच के पुरे समय में कोई गोल नही होने की कारण ट्राई ब्रकर का सहारा लेना पड़ा जिसमें हास्टल की ओर से शिवम ने गोल किये जबकी ओबरा की ओर से प्रियांशु, आशू और विक्की ने गोल दाग कर जिला स्तरीय फुटबाल प्रतियोगिता जीत ली। इस अवसर पर मैच का शुभारंभ फैजूददीन खान, एवं समापन की मुख्य अतिथि हिना जमील (लॉ प्रोफे0) पत्नी नवेद अख्तर सिविल जज सोनभद्र के द्वारा खिलाडियों पुरस्कृत कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर सुहैल अहमद, आसिफ वारसी, चन्द्र प्रकाश, अफजल खान, स्टेडियम के प्रशिक्षका , सुमंगला, एवं विश्वास अन्तर्राष्ट्रीय, तीरंदाजी प्रशिक्षक, सुबाष कुमार वालीबाल प्रशिक्षक जगदीश रावत, अन्य गणमान्य व अनेक खेल प्रेमी मौजूद थे। इस अवसर पर जिला कीड़ा अधिकारी समीम अहमद के द्वारा मुख्य अतिथि का स्वागत कर धन्यवाद ज्ञापन किया गया ।

गीता जयंती समारोह में पांच विभूतियों को किया जाएगा सम्मानित:अरुण कुमार चौबे

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

सोनभद्र। गीता जयंती समारोह समिति, सोनभद्र के स्वागत सचिव अरुण कुमार चौबे ने बताया कि

विगत वर्षों की भांति इस वर्ष 11 दिसंबर बुधवार को गीता जयंती समारोह का आयोजन किया गया है। जिसमें पांच विभूतियों को सम्मानित किया जाएगा। इस मौके पर ठगीता में वर्णित यज्ञठ विषय पर गोष्ठी भी होगी। बता दें कि श्री परमहंस आश्रम सक्तेशगढ़, मिर्जापुर के स्वामी अड़गड़ानंद जी महाराज के परम शिष्य एवं आश्रम के प्रवक्ता रहे स्वर्गीय प्रेमनाथ चौबे जी तथा स्वामी जी की यथार्थ गीता के उर्दू अनुवादक रहे स्वर्गीय मुनीर बक्श आलम ने कार्यक्रम संयोजक डाक्टर कुसुमाकर श्रीवास्तव एवं स्वागताध्यक्ष जगदीश पंथी जी से विचार विमर्श कर सोनभद्र जिला मुख्यालय पर गीता जयंती समारोह मनाने की शुरुआत की थी। इस अवसर पर गोष्ठी का भी आयोजन किया जाने लगा, जिसमें विद्वतजनों द्वारा गीता के बारे में विस्तार से व्याख्यान सुनाया जाने लगा। इसके अलावा गीता का प्रचार प्रसार करने में विशेष भूमिका निभाने वाले पांच विभूतियों को सम्मानित किया जाने लगा। गीता जयंती समारोह समिति के स्वागत सचिव अरुण कुमार चौबे ने बताया कि विगत वर्षों की भांति इस वर्ष भी गीता जयंती समारोह का आयोजन किया गया है। यह आयोजन राबर्ट्सगंज नगर स्थित ठ सांई हॉस्पिटलठ में 11 दिसंबर बुधवार को दोपहर एक बजे से किया गया है। इसमें ठगीता में वर्णित यज्ञठ विषय पर गोष्ठी भी आयोजित की गई है। जिसमें विद्वतजन व्याख्यान देंगे। उन्होंने गीता जयंती समारोह में अधिक से अधिक संख्या में गीता प्रेमियों को पहुंचने का आग्रह किया है।

नगवा ब्लाक में समाजवादी पार्टी की मासिक बैठक संपन्न

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

सोनभद्र। समाजवादी पार्टी के ब्लॉक नगवां की मासिक बैठक मंगलवार को ग्राम डोगी में आयोजित की गई बैठक।बैठक कि अध्यक्षता ब्लॉक अध्यक्ष संजय यादव ने कियाउन्होंने बताया की मजबूती के साथ वोटर लिस्ट में गांव-गांवकर पहुंचकर लोगों को जागरुक करते हुए नाम जुड़वाने का काम किया जाए वही संगठन के द्वारा जो भी दिशा निर्देश उपलब्ध हो उसे पर तुरंत कार्य करते हुए संगठन को मजबूत करने का कार्य हर कार्यकर्ता के मजबूत हाथों द्वारा किया जाए जिस पर चर्चा करते हुए संबंधित संगठन की दिशा निर्देश कार्यकर्ताओं को बताकर उनको दी गई जिम्मेदारी इस मौके पर संचालन रमेश कनौजिया ने किया बैठक में जेपी पटेल शिवबली मौर्य रवि मौर्य राजमनी यादव लक्ष्मी नारायण यादव तेज बहादुर पटेल सिंघासन मौर्य निर्मल आदि लोग उपस्थित रहे।

अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार दिवस पर भाकपा कार्यकर्ताओं ने विभिन्न मुद्दों पर किया विरोध प्रदर्शन

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

सोनभद्र। अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार दिवस के अवसर पर भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के कार्यकर्ताओं ने राष्ट्रीय आवाहन मानवाधिकार दिवस को मांग दिवस मनाते हुए जिलाधिकारी कार्यालय स्थित गांधी पार्क में धरना दिया। जहां महंगाई, बेरोज़गारी, खाद बीज, स्वास्थ्य, शिक्षा, स्वास्थ्य, अडानी प्रकरण, अर्थव्यवस्था, पूजा स्थल अधिनियम 1991 को सख्ती से लागू करने,उलंघन करने वालों कठोर दंड देने,सम्भल,बहराइच घटनाओं की सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश से न्यायिक जांच कराने, मणिपुर पर संसद में चर्चा कराने, अडानी मामले पर संयुक्त संसदीय समिति से जांच कराने, विद्युत विभाग सहित सार्वजानिक प्रतिष्ठानों का निजीकरण रोकने,किसानो के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य के लिए कानून बनाने,खाद, बिजली ,पानी की व्यवस्था दुरुस्त करने,शिक्षा,स्वास्थ्य का राष्ट्रीकरण करने,देश के सांप्रदायिक सद्भाव को कायम रखने,देश विदेश में अल्पसंख्यको पर हमला बंद करने की मांग, जनपद में वन विभाग द्वारा आदिवासियों के शोषण, उत्पीड़न

पर रोक लगाने, खनन में नियम के विरुद्ध चल रहे मशीनीकरण को रोकने, मजदूरों को रोजगार उपलब्ध कराने और तेलगुड़वा - कोन संपर्क मार्ग सहित अन्य संपर्क मार्गो को जल्द दुरुस्त कराने सहित 25 मांगो को लेकर कलेक्ट्रेट परिसर स्थित गांधी पार्क में धरना दिया गया। जहां वक्ताओं ने सम्बोधित करते हुए कहा कि वर्तमान सरकार जन सवालों पर ध्यान न देकर केवल ध्रुवीकरण की राजनीति कर रही है। सदियों से भारत की साझी संस्कृति,साझी विरासत की गंगा जमुनी तहजीब को ध्वस्त कर रही है।शिक्षा,स्वास्थ्य महंगा है।भ्रष्टाचार चरम पर है। देश का सबसे बड़ा भ्रष्टाचारी को बचाया जा रहा है ।संसद को सत्तापक्ष द्वारा हास्यास्पद बना दिया गया है। संसदीय परंपरा की धज्जियां उड़ाई जा रही है।यह सब सत्तापक्ष कर रहा है ।आरोप विपक्ष पर लगाया जा रहा है। जब की संसद में जनता, देश के प्रश्नों पर चर्चा की जानी चाहिए।प्रदेश की कानून व्यवस्था खत्म हो रही है। योगी राज में लूट का साम्राज्य कायम हो गया है। जनपद में सरकारी योजनाओं में भ्रष्टाचार का बोलबाला हो गया है। ऐसी दशा में जानता को सड़क पर उतर कर भीषण संघर्ष करना होगा। धरना के दौरान राष्ट्रपति के नामित पंद्रह सूत्रीय मांग पत्र और जनपद की समस्याओं को लेकर दस सूत्रीय मांग पत्र जिलाधिकारी को सौंपा गया। धरना में प्रमुख रूप से भाकपा जिला सचिव कामरेड आर के शर्मा, देव कुमार विश्वकर्मा, बसावन गुप्ता, राम सुरत बैगा, अयोध्या बैसवार, पप्पू भारती, विरेन्द्र सिंह गोंड, नागेन्द्र कुमार, हृदय नारायण गुप्ता, तारकेश्वर गुप्ता, राम लखन गोंड, राम जी बैगा, शिवनारायण, श्रृंगारी देवी, पुष्पा कुमारी व सेमरी देवी आदि उपस्थित रहे।

अपराध या अपराधीक घटनाओं में लापरवाही बर्दाश्त नहीं :एसपी

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

सोनभद्र। सोमवार देर शाम को पुलिस अधीक्षक अशोक कुमार मीणा द्वारा सर्किल नगर का थाना

रॉबर्ट्सगंज पर वार किया गया । वार के दौरान पुलिस अधीक्षक द्वारा विवेचना निस्तारण के सम्बंध में चलाये जा रहे अभियान के तहत थाना पर लम्बित विवेचनाओं के सन्बंध में विस्तृत रुप से वार्ता करते हुये लम्बित विवेचनाओं की समीक्षा की गई तथा विवेचनाओं का समय से निस्तारण करने हेतु सम्बंधित विवेचकों को निर्देशित किया गया साथ ही जनशिकायतों की सुनवाई कर तत्काल जाँच करने व विधिक निस्तारण सुनिश्चित करने हेतु भी निर्देश दिये गये । इसके अतिरिक्त महोदय् द्वारा अधिक समय से लंबित विवेचनाओं के शीघ्र निस्तारण पर जोर देते हुए वांछित अभियुक्तों व वारंटियों की गिरफ्तारी करने, आईजीआरएस प्रार्थना पत्रों एवं शिकायती प्रार्थना पत्रों का त्वरित निस्तारण, रात्रि में चौराहे/तिराहे पर चेकिंग करके अपराधियों के संचरण पर रोक लगाने सहित अन्य अपराधिक गतिविधियों में संलिप्त अपराधियों का भौतिक सत्यापन करने, अवैध शराब एवं मादक पदार्थों के तस्करों व क्रय विक्रय करने वालों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई करने, थाना के माल का निस्तारण तथा महिला संबंधी अपराधों में त्वरित गति से कार्रवाई करने के भी निर्देश दिए । इसके साथ ही शासन एवं उच्चाधिकारीगण द्वारा जारी आदेशों के अनुपालन एवं प्रचलित अभियानों के सम्बंध में भी आवश्यक दिशा-निर्देश दिये गये इस मौके पर क्षेत्राधिकारी नगर डॉ0 चारू द्विवेदी, प्रभारी निरीक्षक रॉबर्ट्सगंज सत्येन्द्र राय, प्रभारी निरीक्षक चोपन विजय कुमार चौरसिया,लक्षण पर्वत, महिला थानाध्यक्ष म0उ0नि0 सविता सरोज सहित अन्य अधिकारी/ कर्मचारीगण मौजूद रहे ।

स्पोर्ट्स

पूजा ने जूनियर राष्ट्रीय में ऊंची कूद में राष्ट्रीय रिकॉर्ड में सुधार किया, इतने मीटर की लगाई छलांग

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। इस साल की शुरुआत से लगातार अच्छा प्रदर्शन कर रहे दिल्ली के होनहार 400 मीटर के धावक जय कुमार ने ट्रैक पर अपना दबदबा बनाए रखा। हरियाणा की अंतरराष्ट्रीय ऊंची कूद खिलाड़ी पूजा ने सोमवार को यहां कलिंगा स्टेडियम में 39वीं राष्ट्रीय जूनियर चैंपियनशिप के तीसरे दिन अपने अंडर-18 राष्ट्रीय रिकॉर्ड में सुधार किया। 17 वर्षीय पूजा ने हेप्टाथलॉन प्रतियोगिता के दौरान ऊंची कूद में 1.85 मीटर की छलांग के साथ राष्ट्रीय रिकॉर्ड में सुधार किया। उनका 1.83 मीटर का पिछला राष्ट्रीय रिकॉर्ड अगस्त में पेरू के लीमा में विश्व अंडर-20 एथलेटिक्स चैंपियनशिप के दौरान दर्ज किया गया था। इस साल की शुरुआत से लगातार अच्छा प्रदर्शन कर रहे दिल्ली के होनहार 400 मीटर के धावक जय कुमार ने ट्रैक पर अपना दबदबा बनाए रखा। पुरुषों की अंडर-20 400 मीटर दौड़ में उन्होंने स्वर्ण पदक जीतने के साथ ही 2017 में अमोज जैकब द्वारा निर्धारित 46.59 सेकंड के मीट रिकॉर्ड में सुधार किया। जय ने 46.29 सेकंड का समय लिया।

मेसी-रोनाल्डो के लिए फैंस के लिए बुरी खबर, पुरुषों की फीफ-प्रो विश्व एकादश में नहीं बना पाए जगह

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। 37 साल के मेसी एमएलएस में इंटर मियामी के लिए खेलते हैं जबकि 39 वर्षीय रोनाल्डो सऊदी प्रो लीग में अल-नासर के लिए खेलते हैं। सर्वकालिक महान फुटबॉल खिलाड़ियों में शामिल लियोनेल मेसी और क्रिस्टियानो रोनाल्डो सोमवार को वैश्विक खिलाड़ियों के संघ फीफप्रो द्वारा घोषित वर्ष की पुरुष विश्व टीम में जगह नहीं बना सके। 37 साल के मेसी एमएलएस में इंटर मियामी के लिए खेलते हैं जबकि 39 वर्षीय रोनाल्डो सऊदी प्रो लीग में अल-नासर के लिए खेलते हैं। अंतिम एकादश के मतदान के लिए चुने गये 26 खिलाड़ियों की सूची में सिर्फ मेसी और रोनाल्डो ही थे जो किसी यूरोपीय क्लब से नहीं जुड़े है। यह 2006 के बाद यह पहली बार है कि इस सूची में मेसी का चयन नहीं किया गया है। अर्जेंटीना के विश्व कप विजेता के नाम 17 बार टीम में चुने जाने के बाद रिकॉर्ड है। रोनाल्डो को 15 बार चुना गया है लेकिन आखिरी बार 2021 में वह इस टीम में शामिल थे।

सबालेंका को शानदार प्रदर्शन का इनाम, डब्ल्यूटीए की साल की सर्वश्रेष्ठ टेनिस खिलाड़ी का पुरस्कार जीता

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। टेनिस मीडिया के मतदान के अन्य परिणामों में ऐमा खिलाड़ी के रूप में सम्मानित किया गया। पाउला बडोसा को साल में सर्वश्रेष्ठ वापसी करने वाली खिलाड़ी

नवारो को सबसे अधिक सुधार करने वाली खिलाड़ी के रूप में सम्मानित किया गया। स्टार टेनिस खिलाड़ी एरिना सबालेंका को सोमवार को पहली बार डब्ल्यूटीए की साल की सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी का पुरस्कार मिला। बेलारूस की 26 वर्षीय सबालेंका ने 2024 में दो ग्रैंड स्लैम खिताब जीते और दुनिया की नंबर एक महिला टेनिस खिलाड़ी भी बनीं। टेनिस मीडिया के मतदान के अन्य परिणामों में ऐमा नवारो को सबसे अधिक सुधार करने वाली और लुलु सन को साल की सर्वश्रेष्ठ नयी खिलाड़ी चुना गया। सारा इरानी और जैस्मिन पाओलिनी को साल की सर्वश्रेष्ठ युगल टीम चुना गया। सबालेंका ने 2024 में जनवरी में ऑस्ट्रेलियन ओपन और सितंबर में अमेरिकी ओपन के साथ इस सत्र में दो अन्य खिताब जीते। उनका जीत-हार का रिकॉर्ड 56-14 रहा। उन्होंने लगभग एक करोड़ डॉलर की पुरस्कार राशि जीती। उन्होंने अक्टूबर में ईगा स्वियातेक को पछाड़कर शीर्ष रैंकिंग हासिल की।

कपिल देव ने विनोद कांबली की स्थिति पर दुख जताया, बोले - उन्हें खुद की मदद की जरूरत

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। कांबली ने भारत के लिए 1991 से 2000 तक 17 टेस्ट और 104 वनडे मुकाबले खेले हैं। कांबली ने स्कूल स्तर पर तेंदुलकर के साथ ऐतिहासिक 664 रन की अटूट साझेदारी की थी। बाएं हाथ था।कांबली ने भारत के लिए 1991 से 2000 तक 17 टेस्ट और 104 वनडे मुकाबले खेले हैं। कांबली ने स्कूल स्तर पर तेंदुलकर के साथ ऐतिहासिक 664 रन की अटूट साझेदारी की थी। बाएं हाथ के पूर्व बल्लेबाज कांबली ने पिछले कुछ वह खुद का ख्याल रख सकें और रिहैब में वापस जा सकें। लोगों को यह बीमारी होती है लेकिन आपको रिहैब में वापस जाना पड़ता है। कपिल से पहले भारत के पूर्व दिग्गज बल्लेबाज सुनील गावस्कर ने भी कांबली को लेकर अपनी राय रखी

के पूर्व बल्लेबाज कांबली ने पिछले कुछ वर्षों में कई स्वास्थ्य चुनौतियों से संघर्ष किया है।भारत को अपनी कप्तानी में 1983 विश्व कप का खिताब दिलाने वाले पूर्व भारतीय कप्तान कपिल देव ने पूर्व बल्लेबाज विनोद कांबली की स्थिति पर दुख जताया है। कपिल का कहना है कि कांबली को बाहरी सहायता के साथ-साथ खुद की मदद की भी जरूरत है। कांबली शराब से जुड़ी और अन्य स्वास्थ्य समस्याओं से जूझ रहे हैं। हाल ही में दिग्गज कोच रमाकांत आचरेकर की याद में आयोजित एक सार्वजनिक कार्यक्रम के दौरान वह काफी कमजोर दिखाई दिए। उन्हें अपने बचपन के दोस्त सचिन तेंदुलकर को जाने से रोकते देखा गया वर्षों में कई स्वास्थ्य चुनौतियों से संघर्ष किया है। उन्हें 2012 में एंजियोप्लास्टी करानी पड़ी थी। इसके बाद 2013 में उन्हें दिल का दौरा पड़ा। शराब की लत से जूझने के कारण उन्हें कई बार रिहैबिलिटेशन के लिए जाना पड़ा। इससे उनके समग्र स्वास्थ्य पर काफी प्रभाव पड़ा। कपिल ने कहा, हम सभी को कांबली का समर्थन करने की कोशिश करनी चाहिए। लेकिन हमारे से अधिक उसे खुद का समर्थन करना है। अगर कोई व्यक्ति खुद का ख्याल नहीं रख सकता तो हम उसका ख्याल नहीं रख सकते। हमने जो देखा है, उससे सभी क्रिकेटर बहुत दुखी हैं। मैं चाहता हूं कि उनके सबसे करीबी दोस्त उन्हें कुछ मदद दिलवाएं, ताकि थी। गावस्कर ने कहा था, 'मुझे लगता है कि 1983 की विश्व विजेता टीम हमारे युवा खिलाड़ियों के प्रति बहुत सचेत है। वे हमारे बेटे की तरह हैं। हम अपने क्रिकेटरों के बारे में बहुत चिंतित हैं, खासकर जब भाग्य उनका साथ छोड़ देता है। इसलिए मुझे नहीं लगता कि यहां मदद करना शब्द सही रहेगा। '83 की टीम कांबली की देखभाल करना चाहती है और उन्हें अपने पैरों पर वापस खड़े होने में मदद करना चाहती है। हम इसे कैसे करेंगे, यह हम निकट भविष्य में देखेंगे। हम कांबली समेत उन क्रिकेटरों की देखभाल करना चाहते हैं, जिन पर भाग्य कभी-कभी कठोर हो जाता है। '83 की टीम यही करना चाहती है।

नौ साल के आरित ग्रैंडमास्टर को हराने वाले सबसे युवा भारतीय बने, अमेरिका के जियातदिनोव को दी मात

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। इसी वर्ष भारतीय मूल के सिंगापुर के शतरंज खिलाड़ी आश्वथ कौशिक आठ साल छह माह शतरंज टूर्नामेंट में अमेरिका के ग्रैंड मास्टर रासेत जियातदिनोव को हरा दिया। इसके साथ ही आरित क्लासिकल प्रारूप में ग्रैंडमास्टर को यह मुकाबला उम्र के अलग पड़ाव पर खड़े खिलाडि़यों के बीच था, लेकिन रासेत को एक गलती अंत में भारी पड़ी, जिसका आरित ने

की उम्र में ग्रैंडमास्टर को हराने वाले दुनिया के सबसे युवा शतरंज खिलाड़ी बने थे। उन्होंने पोलैंड के जासेक स्तोपा को हराया था। नौ साल, दो महीने और 18 दिन, किसी भी बच्चे के लिए यह उम्र स्कूल जाने और हठखेलियां करने की होती है, लेकिन दिल्ली के आरित कपिल ने इस उम्र में वह उपलब्धि हासिल कर ली, जो कोई भी भारतीय हासिल नहीं कर सका। शतरंज के खिलाड़ी आरित ने केआईआईटी अंतरराष्ट्रीय ओपन हराने वाले सबसे युवा भारतीय खिलाड़ी बन गए हैं। 2015 में जन्में आरित ने 66 वर्षीय रासेत को 63 चालों में हराया। इसी वर्ष भारतीय मूल के सिंगापुर के शतरंज खिलाड़ी आश्वथ कौशिक आठ साल छह माह की उम्र में ग्रैंडमास्टर को हराने वाले दुनिया के सबसे युवा शतरंज खिलाड़ी बने थे। उन्होंने पोलैंड के जासेक स्तोपा को हराया था। आरित के खिलाफ खेल रहे रासेत एक समय मजबूत स्थिति में थे। फायदा उठाया। आरित की इस वक्त ईएलओ रेटिंग 1801 है। उन्होंने अपनी प्रतिभा के दर्शन तो दे दिए हैं, लेकिन उनकी परीक्षा अगले माह दुर्गापुर में होने वाली अंडर-13 राष्ट्रीय चैंपियनशिप में होगी। इसके बाद उन्होंने अंडर-9 राष्ट्रीय चैंपियनशिप में भी खेलना है। इस टूर्नामेंट को रूस के ग्रैंडमास्टर बोरिस शेवचेंको ने जीता। उन्होंने अंतिम दौर में भारत के सायंतन दास के साथ ड्रॉ खेला। शेवचेंको ने 10 दौर में 8.5 अंक हासिल किए।

कुश मैनी ने जीता फॉर्मूला-2 कंस्ट्रक्टर्स चैंपियनशिप का खिताब जीता, ऐसा करने वाले पहले भारतीय

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। मैनी ने इनविक्टा रेसिंग की सफलता में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। यह टीम इस इस रेस में पोल पोजीशन हासिल करने वाले पहले भारतीय खिलाड़ी बने थे। मैनी ने इनविक्टा

सत्र में पांच बार पोडियम पर पहुंची, जिसमें हंगरी में पहला स्थान हासिल करना भी शामिल है। भारतीय रेसर कुश मैनी ने फॉर्मूला-2 कंस्ट्रक्टर्स रेस जीतकर भारतीय खेलों में नया इतिहास रचा। वह एफआईए कंस्ट्रक्टर्स विश्व चैंपियनशिप जीतने वाले देश के पहले खिलाड़ी बन गए हैं। मैनी के लिए फार्मूला-2 में यह सत्र शानदार रहा। इससे पहले वह रेसिंग की सफलता में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। यह टीम इस सत्र में पांच बार पोडियम पर पहुंची, जिसमें हंगरी में पहला स्थान हासिल करना भी शामिल है। इस भारतीय रेसर ने जेद्दा में पोल पोजीशन हासिल की थी। इस तरह से उन्होंने अपनी टीम के अभियान की शानदार नींव रखी, जिसका मैनी की पूर्व टीम कैम्पोस रेसिंग पर 34.5 अंकों के अंतर से जीत के साथ समापन हुआ।

राशि फल

कुछ कार्य जिसकी पिछले कुछ दिनों से प्लानिंग चल रही है, आज शुरू हो सकता है, जिससे आपको आर्थिक स्थिति में लाभ होगा। व्यापार-व्यवसाय में परिवर्तन की योग बन रहे है

आज का दिन अच्छा है। परिवार में कोई नया सदस्य आ सकता है। आपके स्वास्थ्य में उतार-चढ़ाव देखने को मिलेगा। व्यापार आदि में सहयोगी पार्टनर के माध्यम से आय के नए स्रोत बनेंगे

किसी कार्य विशेष को लेकर आज यात्रा आदि पर बाहर जा सकते हैं। यात्रा में सावधानी बरतें, नहीं तो आपको नुकसान हो सकता है। साथ ही परिवार में किसी अपने के स्वास्थ्य से आप चिंतित रह सकते हैं।

आज आप व्यर्थ की भागदौड़ से परेशान हो सकते हैं। आपका मन अशांत रहेगा। कार्य की अधिकता के कारण थकावट आदि महसूस होगी।

आज आप मानसिक रूप से उलझे रहेंगे। किसी बात को लेकर परिवार में परेशानी बढ़ सकती है, लेकिन आप अपनी कुशलता से उसे हल करने में सफल होंगे। स्वास्थ्य ठीक रहेगा।

नौकरी आदि के लिए यदि प्रयास कर रहे हैं तो, आज आपको सफलता मिलेगी। स्वास्थ्य आपका ठीक रहेगा, परंतु परिवार में माता-पिता का स्वास्थ्य बिगड़ सकता है।

आज आपका कोई महत्वपूर्ण कार्य न होने से आप मानसिक तौर से परेशान रह सकते हैं। आर्थिक स्थिति के कारण आपको किसी से मदद मांगनी पड़ सकती है। व्यापार-व्यवसाय में भी इस समय गिरावट महसूस होगी।

आज आप पतनी के स्वास्थ्य को लेकर कुछ परेशान रहेंगे। परिवार के लोग सहयोग करेंगे। व्यापार-व्यवसाय में अपने साथियों के विरोध के कारण आपको बड़ा नुकसान हो सकता है।

स्वास्थ्य को लेकर आप परेशान हो सकते हैं। साथ ही नौकरी आदि में अधिकारी वर्ग से मतभेद बढ़ने से आपकी परेशानी बढ़ेगी।

आज का दिन आपके लिए लाभदायक रहेगा। किसी अपने के द्वारा आपको कार्यक्षेत्र में बड़ा काम मिल सकता है, जिस कारण मन प्रसनन्‍ रहेगा।

आत्मविश्वास में कमी रहेगी। मानसिंक शांति रहेगी लेकिन असंतोष भी रहेगा। परिवार में शांति बनी रहेगी। पिता का सहयोग मिलेगा।

मान-सम्मान बढ़ेगा। नौकरी में पदोन्नति के योग हैं। आत्मविश्वास बन रहेगा। शिक्षा से जुड़े काम सफल होंगे।

मोहम्मद सिराज और ट्रेविस हेड को भारी पड़ा मैदान पर नोकझोंक करना, आईसीसी ने लगाया जुर्माना

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। सिराज पर मैच फीस का 20 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया है। हालांकि, हेड पर आर्थिक जुर्माना नहीं लगा है, लेकिन आईसीसी ने उन्हें भी फटकार लगाई है।भारतीय तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज और ऑस्ट्रेलिया के बल्लेबाज ट्रेविस हेड को एडिलेड में खेले गए दूसरे टेस्ट मैच के दौरान मैदान पर नोकझोंक करना भारी पड़ गया है। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने इन दोनों पर जुर्माना लगाया है। सिराज पर मैच फीस का 20 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया है। हालांकि, हेड पर आर्थिक जुर्माना नहीं लगा है, लेकिन आईसीसी ने उन्हें भी सजा दी है। सिराज और हेड के खाते में आईसीसी की आचार संहिता के उल्लंघन के कारण एक डिमेरिट अंक भी जोड़े गए हैं। मालूम हो कि हेड को आउट करने के बाद सिराज ने आक्रामक तरीके से जश्न मनाया था जिस पर हेड ने उनसे कुछ कहा था। इसके बाद दोनों के बीच कुछ सेकेंड के लिए नोकझोंक हुई थी। आईसीसी ने बयान में कहा, 'सिराज को खिलाड़ियों और खिलाड़ी सहयोगी कर्मियों के लिए आईसीसी आचार संहिता के नियम 2.5 के उल्लंघन का दोषी पाए जाने

के बाद उन पर मैच फीस का 20 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया है। ऐसी भाषा, कार्य या हाव-भाव का उपयोग करने से संबंधित है जो किसी बल्लेबाज को अपमानित करती है या जो आउट होने पर बल्लेबाज को आक्रामक प्रतिक्रिया के लिए उकसा सकती है।'आईसीसी ने कहा कि हेड को भी खिलाड़ियों और खिलाड़ी के सहायक कर्मियों के लिए आईसीसी आचार संहिता के नियम 2.13 का उल्लंघन करने के लिए 'दंडित' किया गया था। हालांकि, वह किसी अंतरराष्ट्रीय मैच के दौरान किसी खिलाड़ी, खिलाड़ी सहायक कर्मियों, अंपायर या मैच रेफरी के साथ दुर्व्यवहार से संबंधित नियम का उल्लंघन करने के लिए जुर्माने से बच गए।सिराज ने ऑस्ट्रेलिया को 310 रन के स्कोर पर सातवां झटका दिया था। सिराज के यॉर्कर को हेड समझ नहीं सके और बोल्ड हो गए। उन्होंने 141 गेंद में 17 चौके और चार छक्के की मदद से 140 रन की बेहतरीन पारी खेली। हेड को आउट करने के बाद सिराज ने आक्रामकता दिखाई जिस पर हेड ने भी पवेलियन लौटते समय सिराज से कुछ कहा। इस दौरान सिराज और हेड के बीच तू-तू मैं-मैं भी देखने मिली और माहौल कुछ सेकेंड के लिए गरमा गया। इसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था।मामला बढ़ने के बाद दोनों खिलाड़ियों ने इस पर अपनी राय रखी थी और एक दूसरे पर ही आरोप लगाए थे। इस मामले पर हेड ने कहा था, मैंने उनसे कहा था कि अच्छी गेंद थी। लेकिन उन्होंने कुछ और ही सोचा और मुझे बाहर जाने की ओर इशारा किया। पिछली कुछ पारियों में जिस तरह से चीजें हुईं, मैं उससे थोड़ा निराश हूं। लेकिन अगर वे इस तरह से प्रतिक्रिया करना चाहते हैं तो यही होगा। और वे खुद को इस तरह से पेश करना चाहते हैं तो ऐसा ही रहें। वहीं, सिराज ने दावा किया था कि हेड झूठ बोल रहे थे। उन्होंने कहा था, 'मुझे हेड को गेंदबाजी करने में मजा आ रहा था।

सम्पादकीय

बाजार की दशा एवं दिशा समझें, एक राजस्व स्त्रोत पर ना रहें निर्भर

कहावतें समय, काल और परिस्थितियों की हर कसौटी पर अपनी सार्थकता सिद्ध करती आई हैं। एक पुरानी कहावत है कि अपने सभी फल एक ही टोकरी में न रखें। यह कहावत जीवन की अंतर्निहित सीख के साथ ही वित्तीय अनुशासन एवं नियोजन के मोर्चे पर भी उतनी ही सटीक बैठती है। एक सदाबहार वित्तीय सलाह यह दी जाती है कि कभी भी केवल एक राजस्व स्रोत पर ही निर्भर नहीं रहना चाहिए। कोई व्यक्ति भले ही किसी पेशे में हो, उसके लिए आय के विभिन्न स्रोत विकसित करना सदैव लाभदायक होता है। उदारवाद से पूर्व के भारतीय मध्यवर्ग की बात करें तो उसकी बचत मुख्य रूप से बैंक डिपाजिट, बीमा, रियल एस्टेट और सोने में निवेश से होती रही। ब्याज और किराये से होने वाली कमाई ने एक सामान्य परिवार के राजस्व की धारा को विविधता प्रदान की। समय के साथ निवेश के अपेक्षाकृत जटिल, किंतु परिष्कृत माध्यमों का भी उभार हुआ। सीधे इक्विटी या म्यूचुअल फंडों के माध्यम से पूंजी बाजार में दांव लगा रहे लोगों ने उल्लेखनीय लाभ का मंत्र तलाशा। यदि शेयर निवेशकों की पहली पीढ़ी के लिए शेयरों पर डिविडेंड वस्तुतः कर मुक्त आय का एक महत्वपूर्ण स्रोत बना तो अनुवर्ती पीढ़ियों को मूल पूंजी में अत्यधिक वृद्धि के पहलू ने लुभाया। शेयर बाजार में निवेश ने अन्य निवेश माध्यमों में बढ़ोतरी को पीछे छोड़ दिया। उदारवाद के उपरांत भारत निवेश सलाहकारों के एक नए वर्ग के उभार का साक्षी बना। ये सलाहकार अपने ग्राहकों को असंख्य निवेश विकल्पों के चयन में सहायक बनने लगे। कोरोना महामारी के बाद पूंजी बाजार निवेशकों की संख्या में व्यापक प्रसार हुआ है। इक्विटी निवेश भले ही एक पुरानी अवधारणा हो, लेकिन बीते पांच वर्षों के दौरान इसमें अभूतपूर्व तेजी दिखी है। निवेशकों की संख्या से लेकर निवेश की मात्रा कई गुना बढ़ी है। इस तेजी का अनुमान इसी तथ्य से लगाया जा सकता है कि बीते चार वर्षों के दौरान डीमैट खातों की संख्या चार करोड़ से बढ़कर 17 करोड़ हो गई है। इक्विटी फंडों में एसआइपी (सिस्टेमिक इन्वेस्टमेंट प्लान) निवेश भी रिकार्ड स्तर पर पहुंच गया है। सितंबर के अंत तक भारतीय शेयर बाजार अकल्पनीय तेजी पर सवार रहा और ऐतिहासिक ऊंचाई पर पहुंचा, किंतु पिछले दो महीने से बाजार में 10 प्रतिशत से अधिक की गिरावट आई है। चूंकि निवेशकों की एक बड़ी संख्या ने महामारी के बाद पहली बार बाजार में कदम रखा तो व्यापक संपत्ति अवमूल्यन का यह उनका पहला अनुभव है, जहां उनके निवेश में इतना ह्रास हुआ हो। ऐसे में, कुछ घबराहट और यहां तक कि कोहराम की स्थिति स्वाभाविक ही है। स्थायी एवं स्थिर निवेश परिदृश्य के लिए इस प्रकार का माहौल प्रतिकूल होता है। इस कोलाहल को शांत करने के लिए कुछ आधारभूत पहलुओं पर दृष्टि डालना उपयोगी हो सकता है। विगत वर्षों में ऐसा क्या कारण रहा, जिसके चलते पूंजी बाजार में इतना भारी निवेश हुआ? पूंजीगत लाभ के बहुत ही स्वाभाविक कारण से इतर एक महत्वपूर्ण, किंतु कम चर्चित कारण भारत में कराधान नीति से जुड़ा है। फिकस्ड इनकम (नियत आय) से जुड़ी सभी योजनाओं पर वर्तमान में करों की सर्वाधिक दरें लागू होती हैं। चाहे बैंक डिपाजिट हो, डेब्ट म्यूचुअल फंड या मार्केट लिंक्ड डीबेंचर, सभी पर टैक्स आपकी आय के अनुसार लगाया जाता है, जो अधिकतम 40 प्रतिशत से अधिक तक हो सकता है। कुछ समय पहले एक भिन्न कराधान नीति अस्तित्व में थी, जहां इनमें से कुछ पर इंडेक्सेशन के साथ लांग टर्म कैपिटल गेन टैक्स लगाया जाता था। उससे टैक्स का बोझ कुछ घट जाता था। वर्तमान कर प्रणाली में फिक्स्ड इनकम निवेशों पर टैक्स देने के बाद आय काफी कम हो गई है, जो महंगाई की दर के अनुरूप भी नहीं रह जाती है। आवश्यक नहीं कि इसे टैक्स नीति की आलोचना के रूप में ही लिया जाए। इस संदर्भ में यह तर्क दिया जाता है कि एक प्रकृति के सभी निवेशों पर समान टैक्स नीति होनी चाहिए। निवेशक अपना निर्णय संबंधित योजना की गुणवत्ता के आधार पर लें, न कि उससे मिलने वाले अनुचित एवं भिन्नतापूर्ण टैक्स लाभ को ध्यान में रखकर। हालांकि इसकी स्वाभाविक प्रतिगामी परिणति यही हुई कि निवेशक अपर्याप्त जानकारियों के बावजूद इक्विटी की ओर जाने पर विवश हैं। निवेशकों को समझना होगा कि निवेश परिसंपत्तियों में प्रायः चक्रीय रुझान देखने को मिलता है। इसमें शिखर से लेकर तलहटी की स्थिति अपरिहार्य है। बाजार को प्रभावित करने वाले बेशुमार कारक हैं और वास्तव में उन पर किसी का पूर्ण नियंत्रण नहीं हो सकता।

रानी लक्ष्मीबाई की परछाई थी स्वतंत्रता संग्राम की वीरांगना और साहसी झलकारी बाई

सन् 1857 के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम में अंग्रेजों को भारतीय नारी के बल, बुद्धि, साहस से परिचित कराने वाली एक साधारण सी महिला झलकारी बाई का जन्म 22 नवम्बर सन् 1830 को झांसी के पास ही भोजला गांव में एक निर्धन कोली परिवार में हुआ था। भारत के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम की गवाह अनगिनत बहादुर हस्तियां रहीं लेकिन इतिहास की विडम्बना है कि चंद नामों को ही इतिहास अपनी पुस्तक में दर्ज होने का मौका देता है। अनगिनत नाम आज भी गुमनामी की किताब में मुस्कुरा रहे हैं। कुछ अमिट छाप छोड़ने वाले नाम किस्सों, कहानियों, लोकगीतों में इस तरह समा गए कि उनका अमर होना लाजिमी है। कुछ नाम यूं ही इतिहास से वर्तमान तक पहुंचने की फेहरिस्त की कतार में लगे हैं। कुछ नाम ही बहादुरी के पर्याय बन गए। झलकारी बाई एक ऐसा ही नाम है जिसे इतिहास उसी सम्मान से निहारता है जैसे किसी क्रान्तिकारी वीर रानी को। राष्ट्रकवि मैथिलीशरण गुप्त की कलम की जुबानी- सन् 1857 के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम में अंग्रेजों को भारतीय नारी के बल, बुद्धि, साहस से परिचित कराने वाली एक साधारण सी महिला झलकारी बाई का जन्म 22 नवम्बर सन् 1830 को झांसी के पास ही भोजला गांव में एक निर्धन कोली परिवार में हुआ था। उनके पिता सदोवर सिंह और मां जमुना देवी थी। बचपन में ही माता का देहांत हो जाने पर पिता सदोवर सिंह ने उनका लालन-पालन एक लड़के की तरह किया। झलकारी बचपन से ही निड़र और बहादुर थी। घुड़सवारी, तलवारबाजी और हथियार चलाने का शौक उन्हें एक कुशल योद्धा में परिवर्तित करने का काम कर रहा था। तत्कालीन परिवेश में एक अति सामान्य परिवार में जन्मी कन्या को औपचारिक शिक्षा दिला पाना सरल न था। फिर भी एक कुशल योद्धा के रूप में झलकारी बाई का निर्माण हुआ। जंगल में लकड़ियां काटना, खेतों-खलिहानों में खुद को रोपना, पशुओं की देखभाल करना, झलकारीबाई के रोजमर्रा के काम थे। कहते हैं एक दिन जंगल में झलकारी का सामना एक तेंदुए से हो गया, झलकारी ने उसे सामान्य कुल्हाड़ी से मार डाला। गांव में खबर फैली और झलकारी बाई की बहादुरी के चर्चे होने लगे। फिर एक बार डकैतों के एक गिरोह के द्वारा गांव के एक व्यापारी पर हमला बोल दिया गया, झलकारी ने बहादुरी से उन डकैतों न केवल सामना किया बल्कि उन्हें पीछे हटने पर मजबूर कर दिया। उसकी बहादुरी देख गांव में उसकी खूब प्रसन्नता हुई और गांव वालों ने उसकी बहादुरी के कारण उसका विवाह रानी लक्ष्मीबाई की सेना के बहादुर सैनिक पूरन सिंह कोली से करवा दिया। इतिहास की कहानियों और किस्सों में झलकारी का चित्र महारानी लक्ष्मीबाई के जैसा ही है। उन्हें इतिहास रानी की हमशक्ल बतलाता है। यकीनन इतिहास की घटनाएं उनमें दर्ज शौर्य-गाथाएं झलकारी बाई को महारानी लक्ष्मीबाई की परछाई दर्शाती हैं। जिसने न केवल अंग्रेजों अपितु भारतीयों को भी अचंभित किया हुआ था। कहते हैं झलकारी बाई गौरी पूजा के अवसर पर रानी लक्ष्मीबाई को सम्मान देने झांसी के किले में गयीं थी वहां दोनों की मुलाकात हुई रानी यह देखकर कि वह उनके जैसे ही दिखती है आश्चर्य चकित रह गयी। झलकारी के विषय में उनकी बहादुरी के किस्सों से प्रभावित होकर रानी ने उन्हें दुर्गा सेना में भर्ती कर लिया। झलकारी की प्रतिभा को रानी ने बखूबी तराशा। उन्हें तोप चलाना, तलवारबाजी, बंदूक चलाना आदि में महारथ हासिल करवायी। जल्द ही झलकारी महिला फौज की बहादुर कमाण्डर बन गयी। डलहौजी की हड़प नीति के तहत जब झांसी पर संकट के बादल मडराये झलकारी अग्रिम मोर्चे की योद्धा बनी। अप्रैल 1857 के युद्ध में रानी और उसकी महिला सेना महल के भीतर से ही मोर्चा संभाले हुए थे। ब्रिटिश सेना के सभी प्रहारों को नाकाम करती महारानी की सेना सम्भवतः ब्रिटिश सेना को वापस खदेड़ने में कामयाब भी हो जाती यदि, तभी रानी के एक सहयोगी राव दूल्हाजू की गददारी के कारण महल के द्वार ब्रिटिश सेना के लिए न खोले जाते तो शायद इतिहास बदल भी सकता था। हालांकि किले के द्वार खुलने की खबर झलकारी के इरादों पर भारी न कर सकी, उनकी रणनीति का परिणाम था कि रानी अपने कुछ विश्वासपात्र सैनिकों के साथ किले से निकलने में कामयाब हो गयी। कहते हैं झलकारी के पति पूरन की किले की रक्षा करते हुए शहादत हुई। झलकारी की वीरता का आंकलन करना आज भी संभव नहीं। पति की मृत्यु का शोक झलकारी बाई की पांव की बेड़ियां नहीं प्रेरणा की ढाल बना। झलकारी शेरनी की तरह रानी लक्ष्मीबाई की वेशभूषा में झांसी की सेना की कमान हाथों में लेकर ब्रिटिश सेना को गुमराह करने के लिए स्वयं ह्यूरोज के कैम्प में पहुंच ललकारने लगी। कमाल का जज्बा रहा होगा, साहस और वीरता शब्द भी बौना लगता है, वीरांगना झलकारी बाई के इरादों के आगे। उनकी वीरता के साहस को बहुत लिखा गया लेकिन फिर भी कम लिखा गया । वृंदावन लाल वर्मा अपने उपन्यास में झलकारी बाई के बारे में बताते हैं- झलकारी जब ह्यूरोज के सामने पहुंची, उसकी शान-ओ-शौकत और चेहरे का तेज़ देख कर जब तक वह भी उसे पहचान न सका, जब तक छावनी में मौजूद राव दूल्हाजू(रानी के पकड़े जाने की खबर पाकर) ने उसे छावनी की आड़ से बारीकी से पहचान करके न बताया । दूल्हाजू ने ह्यूरोज से कहा- 'यह रानी नहीं है जनरल साहब । झलकारी कोरिन है। रानी इस प्रकार सामने नहीं आ सकती। दूल्हाजू की गद्दारी से झलकारी के चेहरे पर डर का भाव नहीं बल्कि वह निर्भय होकर दहाड़ी- 'मार दै, मैं का मरबे खो डरात हो? जैसे इत्ते सिपाही मरे तैसे एक मैं सई।'आज भी यह यकीन करना मुश्किल है कि एक साधारण सी महिला दुनिया की सबसे ताकतवर सेना के सर्वश्रेष्ठ सैनिक से जा भिड़ी। यकीनन झलकारी बाई के बुलंद हौसले और बहादुरी के अंगिनत किस्से अभी भी हम तक अपनी पहुंच न बना पाए हैं लेकिन उनके चंद किस्सों को हमने कहानियों, कविताओं और उपन्यासों में सहेजने की जो कोशिश की है । उसे पढ़ कर आने वाली पीढ़ी को सकारात्मक ऊर्जा का भंडार मिलेगा । झलकारी बाई समाज के वंचित तबके की क्रांतिकारी महिला थी। तत्कालीन समाज में सामान्य लोगों के इतिहास लेखन की परंपरा नाम मात्र की होने के कारण, उनके जीवन की अनेक स्मृतिओं को कहीं दर्ज न किया जा सका । महारानी लक्ष्मीबाई विदुषी, दूरदर्शी और बेहद सहज विचारों की शासिका थी। तत्कालीन समाज की जटिलताओं और कुरीतियों से परे, समानता से लबरेज स्वतंत्रता की हिमायती रानी लक्ष्मीबाई ऊंच-नीच, भेद-भाव की विरोधी थी। उनके क्रांतिकारी विचारों की झलक उनकी दुर्गा सेना में देखी जा सकती हैं । समाज के वंचित तबके का प्रतिनिधित्व करने वाली जाबाज़ क्रांतिकारी झलकारी बाई ने अपने परिवार और प्राणों को देश के लिए समर्पित कर दिया। झलकारी बाई की शहादत कैसे हुई इस पर इतिहासकार अलग अलग विचार रखते हैं, कुछ का मानना है की उन्हें जेल में डाल दिया गया और कुछ उनकी शहादत 4 अप्रैल 1857 को मानते हैं । वास्तविकता कुछ भी हो लेकिन इतना तो निश्चित है की ब्रिटिश हुकूमत झलकारी के राष्ट्र के प्रति समर्पण को आसानी से सहन नहीं कर सकती थी। झलकारी बाई की बहादुरी को देख हयूरोज का कहना पड़ा, कि अगर भारत की 1ड्ड महिलाएं भी झलकारी बाई जैसी हो जाएं।

देश में 'सनातन धर्म बोर्ड' अभियान और कुछ सवाल

हिंदुत्व के मुख्य पैरोकार राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ की ओर से इस बारे में खुलकर प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है, लेकिन भाजपा के कुछ नेताओं, जिनमें त्रिपुरा के मत्स्यपालन मंत्री सुधांशु दास व भाजपा की पूर्व सांसद प्रज्ञा ठाकुर शामिल हैं, ने इस मांग का समर्थन किया है। बहरहाल, देश में हिंदू मंदिरों के नियंत्रण और रखरखाव को राज्य सरकारों और प्रबंधन ट्रस्टों के कब्जे से मुक्त कर हिंदू संतो, पुरोहितों के हाथों में देने की व्यापक मुहिम की यह पहली पायदान है। बंटेगे तो कटेंगे' के बाद हिंदुत्व एजेंडे की राह में नई मुहिम अब 'सनातन धर्म रक्षा बोर्ड' की है। हिंदू मंदिरों का प्रबंधन हिंदू समाज के हाथों में सौंपने की बात तो पहले से की जा रही थी। चार वर्ष पूर्व उत्तराखंड में भाजपा सरकार ने बद्रीनाथ समेत 51 मंदिरों का प्रबंधन देवस्थानम बोर्ड से लेकर पंडे पुरोहितों के हाथों में सौंप दिया था। हाल में यह मुद्दा सबसे पहले आंध्र प्रदेश के उपमुख्यमंत्री पवन कल्याण ने तिरूपति प्रसादम में मिलावट की बात सामने आने पर उठाया था।उसके बाद इसे हिंदू साधु संतों की दूसरी पंक्ति ने हवा दी। दूसरी पंक्ति इसलिए क्योंकि इन साधु संतो में परंपरागत हिंदू धर्माचायों से ज्यादा संख्या कारपोरेट शैली में काम करने वाले कथा वाचकों की है। उनका अपना आभामंडल और भक्तों की फौज है। इसी संदर्भ में देश के नामी कथा वाचक एवं सनातन न्यास फाउंडेशन के के अध्यक्ष देवकीनंदन ठाकुर की पहल पर बीते 16 नवंबर को दिल्ली में धर्म संसद का आयोजन कर 'सनातन धर्म बोर्ड' गठन की मांग पर मुहर लगाई।हिंदुत्व के मुख्य पैरोकार राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ की ओर से इस बारे में खुलकर प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है, लेकिन भाजपा के कुछ नेताओं, जिनमें त्रिपुरा के मत्स्यपालन मंत्री सुधांशु दास व भाजपा की पूर्व सांसद प्रज्ञा ठाकुर शामिल हैं, ने इस मांग का समर्थन किया है। बहरहाल, देश में हिंदू मंदिरों के नियंत्रण और रखरखाव को राज्य सरकारों और प्रबंधन ट्रस्टों के कब्जे से मुक्त कर हिंदू संतो, पुरोहितों के हाथों में देने की व्यापक मुहिम की यह पहली पायदान है। हालांकि, इस अभियान से कई बड़े और स्थापित संत अभी दूर हैं। ये वो संत हैं, जिनका भाजपा सरकारों में अच्छा रसूख है और संघ से भी उनके घनिष्ठ रिश्ते रहे हैं। फिलहाल प्रस्तावित सनातन धर्म बोर्ड का प्रारूप क्या हो, इस बारे में स्पष्टता नहीं है। कुछ लोगों का मानना है कि सिख गुरूद्वारा प्रबंधन की तर्ज पर यह बोर्ड काम कर सकता है। अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद के अनुसार प्रारूप तय करने के लिए एक कमेटी बनाई जाएगी। वैसे इस अभियान का राजनीतिक पहलू यह भी है कि देश में या तो मुस्लिमों के वक्फ बोर्ड को खत्म किया जाए या फिर कुछ उसी तर्ज पर संवैधानिक रूप से हिंदू सनातन बोर्ड गठित किया जाए। उल्लेखनीय है कि इस साल सितंबर में सनातन धर्म रक्षा बोर्ड की जरूरत बताते हुए आंध्र प्रदेश के उपमुख्यमंत्री पवन कल्याण ने सोशल मीडिया पर लिखा था कि अब समय आ गया है कि पूरे भारत में मंदिरों से जुड़े सभी

मुद्दों पर विचार करने के लिए राष्ट्रीय स्तर पर 'सनातन धर्म रक्षा बोर्ड' का गठन किया जाए। इस पर व्यापक बहस होनी चाहिए।इसी बात को आगे बढ़ाते हुए कथा वाचक देवकीनंदन ठाकुर ने देश की राजधानी दिल्ली में धर्मसंसद बुलाई। इसमें उन्होंने अन्य कथावाचकों और साधु संतों के अलावा राजनीतिक दलों के नेता जैसे मल्लिकार्जुन खरगे, राहुल गांधी, जेपी नड्डा, अखिलेश यादव को भी निमंत्रण भेजा था। इनमें से कोई भी उसमें शामिल नहीं हुआ। इस धर्म संसद में 13 अखाड़ों से संतों के साथ ही हरिद्वार, ऋषिकेश, मथुरा, वाराणसी, तीर्थ नगरियों के कई लोग शामिल हुए।कुछ लोग इसे भाजपा का ही राजनीतिक एजेंडा मान रहे हैं, क्योंकि इस धर्म संसद में समान नागरिक संहिता लागू करने, हलाल सर्टीफिकेट जारी करने वाली कंपनियों का विरोध तथा धर्मांतरण रोकने जैसी मांगें भी उठाई गई। समागम में शामिल जैन मुनि लोकेश ने देश में जनसंख्या नियंत्रण कानून जल्द से जल्द लागू करने की मांग की।धर्म संसद के मुख्य अतिथि द्वारका शारदा पीठ के जगद्गुरु शंकराचार्य स्वामी सदानंद सरस्वती ने राम जन्म भूमि की तरह श्री कृष्ण जन्मभूमि और ज्ञानवापी मस्जिद भी हिंदुओं को सौंपने की मांग की। धर्म संसद में शामिल अन्य प्रमुख लोगों में सीहोर के पंडित प्रदीप मिश्रा, हनुमान गढ़ी के महंत राजू दास, अयोध्या के डॉ.राम विलास वेदांती आदि थे। लेकिन इस धर्म संसद से स्वामी अवधेशानंद गिरी, स्वामी गोविंदगिरी स्वामी कैलाशानंद गिरी, आचार्य बालकृष्ण, स्वामी चक्रपाणी, आचार्य प्रमोद कृष्णम्, स्वामी दीपांकर जैसी हस्तियां दूर रहीं। धर्म संसद के पहले 4 नवंबर को मथुरा में हिंदू संतों की एक महापंचायत भी हुई थी। दरअसल, हिंदू धर्म में मंदिरों के रखरखाव प्रबंधन और संचालन के लिए कोई एक सुनिश्चित व्यवस्था नहीं है। कई जगह सरकारों ने मंदिर प्रबंधन के लिए ट्रस्ट बना रखे हैं तो ज्यादातर मंदिरों का मैनेजमेंट पंडे पुरोहितों के भरोसे है। जबकि अखाड़ा परिषद का मानना है कि मंदिर प्रबंधन में सरकारी दखल होने से मंदिरों की परंपरा व व्यवस्था खंडित हो रही है। बताया जाता है कि अखाड़ा परिषद 'सनातन बो'र्ड का प्रारूप तैयार करवा रही है।इसमें 13 अखाड़ों के प्रमुख संतों, हर प्रदेश के हाई कोर्ट के सेवानिवृत्त जज, वरिष्ठ अधिवक्ता, तीर्थपुरोहित व एक हिंदू प्रशासनिक अफसर को शामिल करने का सुझाव दिया गया है। साथ ही सनातन बोर्ड का चेयरमैन अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष को ही बनना चाहिए, क्योंकि उनके संपर्क में देशभर के धर्माचार्य रहते हैं। चेयरमैन सहित बोर्ड में कुल 21 सदस्य होने चाहिए। इसी मुद्दे पर संत पुरोहित समाज में रस्साकशी शुरू हो गई है। बोर्ड का चेयरमैन अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष को बनाने के प्रस्ताव का अखिल भारतीय पुजारी महासंघ ने पुरज़ोर विरोध किया है। महासंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष महेश पुजारी और सचिव रूपेश मेहता ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को भेजे पत्र में मांग की गई है कि सनातन धर्म रक्षा बोर्ड का नेतृत्व शंकराचार्यजी को करना चाहिए न कि अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष को। क्योंकि बोर्ड का प्रारूप बनाने का अधिकार अखाड़ा परिषद को नहीं है। शंकराचार्यजी सनातन धर्म के सर्वमान्य प्रतिनिधि हैं। हालांकि अखाड़ा परिषद के भी दो धड़े हो चुके हैं। एक धड़े के अध्यक्ष निर्वानी अखाड़े से और दूसरे निरंजनी अखाड़े से बताए जाते हैं।वैसे सनातन बोर्ड के अलावा भारत के हिंदुओं को धार्मिक आधार पर संगठित करने और उसे एक कानूनी संगठन का रूप देने के लिए देश में संवैधानिक 'राष्ट्रीय हिंदू बोर्ड' की स्थापना भी प्रस्तावित है। भारत का प्रत्येक हिंदू इस बोर्ड का सदस्य होगा। उसे राष्ट्रीय हिंदू बोर्ड के प्रमुख को चुनने के लिए मताधिकार होगा। हालांकि हर हिंदू को इसका सदस्य बनने की अनिवार्यता नहीं होगी, जबकि जैन, सिख और बौद्ध धर्मावलंबी भी चाहें तो इसके सदस्य बन सकते हैं। प्रस्तावित बोर्ड के पास हिंदू मंदिरों के प्रबंधन के कानूनी अधिकार होंगे। वर्तमान में बड़े मंदिरो के प्रबंधन और स्वामित्व से जुड़े विवाद भी यह बोर्ड ही सुलझाएगा। इस कानून के तहत राष्ट्रीय सनातन रजिस्ट्रार की नियुक्ति होगी। यह कानून बनने के बाद मंदिरो के प्रबंधन के लिए वर्तमान में लागू हिन्दू देवस्थानम अधिनियम अप्रभावी हो जाएगा। यह ट्रस्ट हिंदू धर्म स्थानों का पंजीयन तो करेगा, लेकिन विभिन्न सम्प्रदायों, पन्थो, मठो आदि का अधिग्रहण नहीं करेगा, और न ही उनके दान का प्रबंधन करेगा। सभी विवाद नागरिको की जूरी द्वारा ही सुने जायेंगे।सनातन महजब की तरह अपने आप में कोई धर्म नहीं है। जो शाश्वत है, वही सनातन है और हिंदू धर्म व जीवन शैली की मुख्य धारा है। वर्तमान में देश में करीब 7 लाख छोटे बड़े हिंदू मंदिर हैं। इनमें भी सर्वाधिक मंदिर तमिलनाडु में हैं। अंग्रेजों के समय पर हिंदू मंदिरों के रखरखाव को लेकर पहली बार कानून 1863 में बना। इसके बाद तत्कालीन मद्रास (अब तमिलनाडु) में 1925 में हिंदू मंदिरों का प्रबंधन शक्तिशाली कमिश्नर बोर्ड के माध्यम से करने का कानून बना। केरल में मंदिरों के प्रबंधन के लिए देवस्वोम बोर्ड है, जो मंदिर के पुजारियों और अन्य स्टाफ की भर्ती भी करता है। कर्नाटक में सरकार हिंदू मंदिरो से भी टैक्स वसूलती है। वहां लागू कानून में प्रावधान है कि 1 करोड़ रू से अधिक वार्षिक आय वाले हिंदू मंदिरों को कमाई का 10 फीसदी व 10 लाख रू. तक की आय वाले मंदिरों को कमाई का 5 फीसदी सरकार को देनी होगी।सनातन बोर्ड बनेगा या नहीं, या कब बनेगा, यह मोदी सरकार पर निर्भर है, लेकिन जिस सुनियोजित तरीके से यह मांग उठाई जा रही है, उसका कुछ तो नतीजा निकलेगा। सवाल यह है कि क्या नई व्यवस्था भी मंदिरों का निर्विवाद संचालन कर पाएगी? क्योंकि अव्यवस्थाओं की शिकायतों के बाद ही तो इस काम में सरकारों ने हाथ डाला था।

ADHUNIK TUTORIALS

" FOR THE STUDENTS, FROM A STUDENT "

FOR CLASSES 1st 5th

(ADMISSION OPEN)

Dr. (Er)PuneetArora (HON. DIRECTOR)
(B.Tech, M. Tech, MBA , Ph.D)
Awarded with ' Young Scientist & Best Teachers, Author of Many Books Chapters, Research Paper, Patent & Trademarks

FACILITIES

- Air Conditioned & Well Furnished Classroom
- Water Cooler Available
- Hygienic Washrooms
- CCTV for Safety Purposes
- In Campus Parking

Ms.Nilanjana Arora (Assistant Director)

- Ex. Student of Bethany Convent School, Bishop Johnson School & College, Girl's High School & College
- Pursuing B.Tech
- Awarded by TCS
- Certification in the Field of Web Development and Machine Learning .

Ms. Riya Arora (Counsellor)

- Ex. Student of Delhi Public School.
- Subject Topper of Delhi Public School
- Pursuing LLB from University of Allahabad .

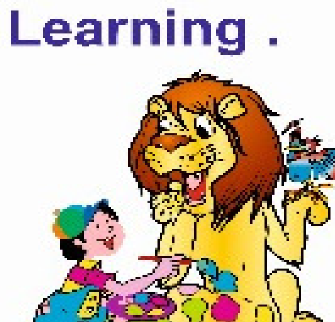

Address: B-Block, ADA Colony, Mtek Campus, Naini, Prayagraj .

Contact :- Call and Whatsapp: 8542919234

ईपीसीएच की 38वीं वार्षिक आम बैठक में प्रशासनिक समिति के छह नए सदस्य चुने गए

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नोएडा। नोएडा नई दिल्ली हस्तशिल्प निर्यात संवर्धन परिषद (ईपीसीएच) ने आज नई दिल्ली में अपनी 38वीं वार्षिक आम बैठक सफलतापूर्वक संपन्न की। बैठक की अध्यक्षता ईपीसीएच के अध्यक्ष दिलीप बैद ने की और इस दौरान ईपीसीएच के उपाध्यक्ष नीरज खन्ना और सागर मेहता भी मौजूद रहे। बैठक में प्रमुख सदस्य निर्यातकों में रवि के. पासी, राज कुमार मल्होत्रा, डी. कुमार, अवधेश अग्रवाल, नवेद उर रहमान, सलमान आज़म, अशोक अरोड़ा, सिमरनदीप सिंह कोहली,अरशद मीर, नजमुल इस्लाम, विशाल अग्रवाल, परवेज़ आलम, एस. के. गोयल, जे. पी. सिंह, दीपक गुप्ता,ऋषि सोनी, संदीप छाबड़ा, विनीत भाटिया, मनु गुलाटी, नवीन यादव, आर. के. वर्मा, कार्यकारी निदेशक, राजेश रावत ईपीसीएच के अतिरिक्त कार्यकारी कार्यकारी निदेशक सह सचिव; और देश के विभिन्न भागों से अन्य प्रतिष्ठित सदस्य निर्यातक उपस्थित थे। ईपीसीएच के अध्यक्ष दिलीप बैद ने 38वीं वार्षिक आम बैठक की अध्यक्षता करते हुए उपस्थित लोगों को साल 2023-24 के दौरान देश से हस्तशिल्प के

निर्यात को बढ़ावा देने की दिशा में परिषद द्वारा की गई विभिन्न गतिविधियों और पहलों की जानकारी दी। 38वीं वार्षिक आम बैठक के एजेंडा में से एक उपलब्ध रिक्तियों के अनुसार रिक्तियों का गठन करना था, अर्थात उत्तरी क्षेत्र में तीन रिक्तियां तथा उत्तर-पश्चिम क्षेत्र, दक्षिणी क्षेत्र और उत्तर-पूर्व क्षेत्र में एक-एक रिक्तियां। ईपीसीएच के कार्यकारी निदेशक आर. के. वर्मा सूचित किया की सदन ने सीओए सदस्यों के चुनाव सहित सभी एजेंडों को अपना लिया सीओए के लिए निर्वाचित सदस्य उत्तरी क्षेत्र से रवि के. पासी, मेसर्स आर. के. आर्ट्र्स; प्रिंस मलिक, मेसर्स ओसिरस ओवरसीज और अरशद हुसैन मीर, मेसर्स मीर हैंडीक्राफ्ट्स प्राइवेट लिमिटेड; उत्तर-पूर्व क्षेत्र सेः सुश्री जेस्मिना जेलियांग, मेसर्स हीरलूम नागा, दीमापुर; दक्षिणी क्षेत्र सेः के. एन. तुलसी राव, रामकृष्ण परमहंस एंड कंपनी, नरसापुर और उत्तर-पश्चिम क्षेत्र सेः दिलीप बैद, मेसर्स दिलीप क्राफ्ट्स प्राइवेट लिमिटेड, जयपुर चुने गए।ईपीसीएच के अध्यक्ष दिलीप बैद ने ईपीसीएच की ओर से प्रशासन समिति के निवर्तमान सदस्य के.एल. रमेश की उनके कार्यकाल के दौरान हस्तशिल्प व्यापार के लिए दिए गए योगदान और सेवाओं के लिए सराहना की। इसके अलावा, श्री बैद ने हस्तशिल्प क्षेत्र की बेहतरी के लिए सदस्य निर्यातकों से संयुक्त और सहयोगात्मक समर्थन और प्रयास करने का आग्रह किया। ईपीसीएच देश से हस्तशिल्पों के निर्यात को बढ़ावा देने और देश के विभिन्न शिल्प समूहों में होम, लाइफस्टाइल, टेक्सटाइल, फर्नीचर, और फैशन जूलरी एवं एक्सेसरीज उत्पादों को बनाने में लगे लाखों कारीगरों और शिल्पकारों के प्रतिभाशाली हाथों के जादू की ब्रांड छवि बनाने की एक नोडल एजेंसी है। ईपीसीएच के कार्यकारी निदेशक आर के वर्मा ने बताया कि साल 2023-24 के दौरान हस्तशिल्प निर्यात 32,759 करोड़ रुपये (3,956 मिलियन अमेरिकी डॉलर) का हुआ, जो पिछले वर्ष की तुलना में रुपये के संदर्भ में 9.13झ् और डॉलर के संदर्भ में 6.11झ् की वृद्धि हुई।

अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार दिवस पर भाकपा कार्यकर्ताओं ने विभिन्न मुद्दों पर किया विरोध प्रदर्शन

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

सोनभद्र। अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार दिवस के अवसर पर

भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के कार्यकर्ताओं ने राष्ट्रीय आवाहन मानवाधिकार दिवस को मांग दिवस मनाते हुए जिलाधिकारी कार्यालय स्थित गांधी पार्क में धरना दिया। जहां महंगाई, बेरोज़गारी, खाद बीज, स्वास्थ्य, शिक्षा, स्वास्थ्य, अडानी प्रकरण, अर्थव्यवस्था, पूजा स्थल अधिनियम 1991 को सख्ती से लागू करने,उलंघन करने वालों कठोर दंड देने,सम्भल,बहराइच घटनाओं की सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश से न्यायिक जांच कराने, मणिपुर पर संसद में चर्चा कराने, अडानी मामले पर संयुक्त संसदीय समिति से जांच कराने, विद्युत विभाग सहित सार्वजानिक प्रतिष्ठानों का निजीकरण रोकने,किसानो के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य के लिए कानून बनाने,खाद, बिजली ,पानी की व्यवस्था दुरुस्त करने ,शिक्षा,स्वास्थ्य का राष्ट्रीकरण करने,देश के सांप्रदायिक सद्भाव को कायम रखने,देश विदेश में अल्पसंख्यको पर हमला बंद करने की मांग, जनपद में वन विभाग द्वारा आदिवासियों के शोषण, उत्पीड़न पर रोक लगाने, खनन में नियम के विरुद्ध चल रहे मशीनीकरण को रोकने, मजदूरों को रोजगार उपलब्ध कराने और तेलगुड़वा - कोन संपर्क मार्ग सहित अन्य संपर्क मार्गो को जल्द दुरुस्त कराने सहित 25 मांगो को लेकर कलेक्ट्रेट परिसर स्थित गांधी पार्क में धरना दिया गया। जहां वक्ताओं ने सम्बोधित करते हुए कहा कि वर्तमान सरकार जन सवालों पर ध्यान न देकर केवल ध्रुवीकरण की राजनीति कर रही है। सदियों से भारत की साझी संस्कृति,साझी विरासत की गंगा जमुनी तहजीब को ध्वस्त कर रही है।शिक्षा,स्वास्थ्य महंगा है।भ्रष्टाचार चरम पर है। देश का सबसे बड़ा भ्रष्टाचारी को बचाया जा रहा है ।संसद को सत्तापक्ष द्वारा हास्यास्पद बना दिया गया है। संसदीय परंपरा की धज्जियां उड़ाई जा रही है।यह सब सत्तापक्ष कर रहा है ।आरोप विपक्ष पर लगाया जा रहा है। जब की संसद में जनता, देश के प्रश्नों पर चर्चा की जानी चाहिए।प्रदेश की कानून व्यवस्था खत्म हो रही है। योगी राज में लूट का साम्राज्य कायम हो गया है। जनपद में सरकारी योजनाओं में भ्रष्टाचार का बोलबाला हो गया है। ऐसी दशा में जानता को सड़क पर उतर कर भीषण संघर्ष करना होगा। धरना के दौरान राष्ट्रपति के नामित पंद्रह सूत्रीय मांग पत्र और जनपद की समस्याओं को लेकर दस सूत्रीय मांग पत्र जिलाधिकारी को सौंपा गया। धरना में प्रमुख रूप से भाकपा जिला सचिव कामरेड आर के शर्मा, देव कुमार विश्वकर्मा, बसावन गुप्ता, राम सुरत बैगा, अयोध्या बैसवार, पप्पू भारती, विरेन्द्र सिंह गोंड, नागेन्द्र कुमार, हृदय नारायण गुप्ता, तारकेश्वर गुप्ता, राम लखन गोंड, राम जी बैगा, शिवनारायण, श्रृंगारी देवी, पुष्पा कुमारी व सेमरी देवी आदि उपस्थित रहे।

बॉलीवुड/टेली मसाला

दिल्ली की कोर्ट ने एक्टर धर्मेंद्र को भेजा नोटिस, निवेश के नाम पर धोखाधड़ी का है आरोप

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। दिल्ली की एक कोर्ट ने 89 साल के फिल्म अभिनेता धर्मेंद्र को नोटिस जारी किया है। यह मामला गरम धरम ढाबा से जुड़े धोखाधड़ी का है। राजधानी दिल्ली की एक कोर्ट ने 89 साल के फिल्म अभिनेता धर्मेंद्र और दो अन्य को नोटिस जारी किया है। मामला गरम धरम ढाबा से जुड़े धोखाधड़ी से है। दिल्ली के एक बिजनेसमैन की ओर से दायर शिकायत पर नोटिस जारी किया गया है। शिकायत में याचिका करता ने आरोप लगाया है कि गरम धरम ढाबा की फ्रेंचाइजी में निवेश करने का लालच देकर धोखाधड़ी की गई।

पुष्पा 2' की कमाई में आई गिरावट, फिर भी भेद डाला इन फिल्मों का किला

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। अल्लू अर्जुन और रश्मिका मंदाना अभिनीत फिल्म 'पुष्पा 2' की रिलीज को आज पांच दिन पूरे हो गए हैं। आज पहले सोमवार की परीक्षा में फिल्म का पहले मंडे टेस्ट में फिल्म की कमाई के शुरुआती आंकड़ों पर नजर डालते हैं... सुकुमार के निर्देशन में बनी 'पुष्पा 2 द रूल' के पहले सोमवार यानी आज पांचवे दिन की कमाई के शुरुआती आंकड़े सामने आ गए

रिजल्ट कैसा रहा? आइए देखते हैंफिल्म 'पुष्पा 2: द रूल'! इस साल की सबसे चर्चित फिल्म। बॉक्स ऑफिस पर यह फिल्म बवाल काट रही है। ओपनिंग डे से लेकर अब तक कमाई के मामले में कई रिकॉर्ड अपने नाम कर चुकी है। करीब 500 करोड़ रुपये के बजट में बनी इस फिल्म ने चार दिनों में अपने बजट से ज्यादा कारोबार कर डाला है। इतना ही नहीं, यह सबसे तेज 500 करोड़ क्लब में एंट्री लेने वाली भारतीय फिल्म बन चुकी है। आज हैं। खबर लिखे जाने तक इस फिल्म ने आज सोमवार को 64.1 करोड़ रुपये का कुल कारोबार किया है। इसी के साथ इस फिल्म का घरेलू बॉक्स ऑफिस पर कारोबार 593.1 करोड़ रुपये हो गया है। उम्मीद है कि कल छठे दिन यह फिल्म 600 करोड़ रुपये की कमाई का आंकड़ा पार कर लेगी। केजीएफ 2 ने पहले सोमवार (पांचवे दिन) 58.2 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया था। हिंदी में ही फिल्म ने 29.5 करोड़ रुपये कमाए थे। फिल्म बाहुबली 2 ने पहले सोमवार को (रिलीज के चौथे दिन) 80 करोड़ रुपये कमाए थे। हिंदी में इस फिल्म ने 40.2 करोड़ रुपये का कारोबार किया था। अगर सिर्फ दिनों के आधार पर कमाई के आंकड़ों पर गौर फरमाते हुए देखें तो भी 'पुष्पा 2' ने कई फिल्मों को पीछे छोड़ा है। पांचवें दिन सबसे ज्यादा कमाई करने के मामले में यह फिल्म टॉप पर है। सैकनिल्क की रिपोर्ट के मुताबिक इससे पहले पांचवे दिन पठान ने 58.5 करोड़ रुपये का कारोबार किया था। वहीं, गदर 2 ने 55.4 करोड़ रुपये कमाए थे। सुल्तान ने 38.21 करोड़ रुपये की कमाई की थी। फिल्म स्त्री 2 ने पांचवें दिन 38.1 करोड़ रुपये कमाए थे और वॉर ने 36.1 करोड़ रुपये का कारोबार किया था। फिल्म 'पुष्पा 2' को 12 हजार स्क्रीन पर रिलीज किया गया है। तेलुगु, हिंदी, तमिल, कन्नड़, मलयालम और हिंदी भाषा में रिलीज इस फिल्म ने स्पेशल स्क्रीनिंग में 10.1 करोड़ रुपये की कमाई की। वहीं, इसने भारतीय बॉक्स ऑफिस के टिकट विंडो पर 165 करोड़ रुपये की ओपनिंग ली। इस तरह इसका टोटल 175.1 करोड़ रुपये हो गया। दूसरे दिन फिल्म ने 93.8 करोड़, तीसरे दिन 119.25, चौथे दिन 141.5 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया। मगर, पांचवे दिन फिल्म की कमाई धड़ाम से गिरी है।

ऑल वी इमेजिन ऐज लाइट' को गोल्डन ग्लोब नामांकन मिलने पर छाया हुई उत्साहित, बोलीं 'पायल

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली।पायल कपाड़िया की फिल्म 'ऑल दैट वी इमेजिन ऐज लाइट' को गोल्डन ग्लोब में नामांकन मिला है। इस फिल्म को मिली इस उपल्ब्धि के लिए अभिनेत्री छाया ग्लोब पुरस्कारों के लिए नामांकित किया गया है। फिल्म की मुख्य कलाकार छाया कदम ने पायल कपाड़िया की उपलब्धि और भारतीय सिनेमा के लिए इसके महत्व पर गर्व व्यक्त किया। ऑस्कर के लिए के लिए और भी ज्यादा खुश हूं। मुझे लगता है कि वह गोल्डन ग्लोब के लिए नामांकित होने वाली पहली भारतीय निर्देशक हैं। इतने सालों की उनकी कड़ी मेहनत अच्छे परिणाम दे रही है। साथ ही, यह

कदम बेहद खुश हैं। छाया ने कहा कि यह सिर्फ पायल की ही नहीं, बल्कि पूरे भारत के लिए बहुत बड़ी बात है। उन्होंने कहा कि इतने सालों की मेहनत के बाद पायल को यह सफलता मिली है। छाया कदम एक और फिल्म 'लापता लेडीज' में भी काम कर चुकी हैं, जिसे ऑस्कर पुरस्कार के लिए चुना गया है। दोनों ही फिल्में भारत के लिए बहुत गर्व की बात हैं। 'ऑल दैट वी इमेजिन ऐज लाइट' को गोल्डन ग्लोब नामांकन मिलने पर छाया कदम बेहद खुश हैं और उन्होंने इस जीत को सिर्फ पायल पायल कपाड़िया की जीत नहीं बल्कि पूरे भारतीय सिनेमा की जीत बताया है।पायल कपाड़िया की फिल्म 'ऑल दैट वी इमेजिन ऐज लाइट' को दो गोल्डन नामांकित 'लापता लेडीज' का भी हिस्सा रहीं कदम ने दोनों फिल्मों की सफलता का जश्न मनाया।पायल कपाड़िया ने एक बार फिर भारत को गौरवान्वित किया है, क्योंकि उनकी फिल्म ऑल दैट वी इमेजिन ऐज लाइट ने इस साल दो गोल्डन ग्लोब नामांकन अर्जित किए हैं। एक नामांकन सर्वश्रेष्ठ निर्देशक के लिए है, और दूसरा गैर-अंग्रेजी भाषा में सर्वश्रेष्ठ मोशन पिक्चर के लिए है। फिल्म की प्रमुख कलाकारों में से एक छाया कदम को पायल पर बेहद गर्व है और उन्हें लगता है कि उनकी मेहनत रंग लाई है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, एक इंटरव्यू के दौरान छाया कदम ने कहा, मैं नामांकन से बहुत खुश हूं, लेकिन मैं पायल सिर्फ पायल के लिए नहीं, बल्कि भारतीय सिनेमा की जीत है और भारतीयों के लिए गर्व का पल है।ठ छाया ' लापता लेडीज ' का भी हिस्सा हैं , जिसे भारत से ऑस्कर के लिए नामांकित किया गया है। जब उनसे पूछा गया कि क्या उन्हें लगता है कि 'ऑल दैट वी इमेजिन ऐज लाइट' को भारत से नामांकित किया जाना चाहिए था, तो छाया ने सहमति जताई, लेकिन उन्होंने कहा, ठमुझे खुशी होती अगर इसे भारत से नामांकित किया जाता, लेकिन मेरे लिए व्यक्तिगत रूप से, दोनों ही मेरे बच्चे की तरह हैं और मैं दोनों के बीच अंतर नहीं कर सकती। मैं दोनों फिल्मों की उपलब्धियों से खुश हूं।

शाही शादी के खर्चों को लेकर हुई आलोचनाओं पर परिणीति ने तोड़ी चुप्पी

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। परिणीति चोपड़ा और राघव चड्ढा ने वर्ष 2023 में पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ राजस्थान में शादी रचाई। इनकी शाही शादी के खर्चों को लेकर काफी आलोचनाएं हुईं। जिन पर हाल ही में परिणीति ने प्रतिक्रिया दी है। परिणीति चोपड़ा और राघव चड्ढा ने साल 2023 में उदयपुर के लीला पैलेस में शादी

रचाई। इस भव्य शादी में कई फिल्मी और राजनीतिक हस्तियां शामिल हुईं। मीडिया रिपोर्ट्स में दावे किए गए कि इनकी शादी में पानी की तरह पैसा बहाया गया। कहा गया कि शादी में आए मेहमानों के लिए जो होटल बुक हुए, उनके कमरों का एक रात का किराया 10 लाख रुपये था। इसे लेकर इस जोड़े की काफी आलोचना भी हुई। अब हाल ही में परिणीति ने इस पर चुप्पी तोड़ी है। परिणीति चोपड़ा का कहना है कि शादी के खर्चे को लेकर हुए दावे सिर्फ अफवाह हैं। और ये आलोचना सिर्फ इसलिए हुईं क्योंकि उनकी शादी एक पॉलीटीशियन से हुई है। परिणीति ने कहा कि शादी के भारी-भरकम खर्चों को लेकर किए गए दावे गलत हैं। यह सिर्फ इसलिए अफवाहें फैलीं, क्योंकि राघव एक पॉलीटीशियन हैं। परिणीति ने कथित तौर पर अपनी भव्य शादी के बारे में लगीं कुछ अटकलों पर बात करते हुए कई तथ्य सामने रखे। वहीं, राघव चड्ढा ने भी शादी के खर्च पर फैलीं झूठी खबरों को खारिज करते हुए कहा कि उन्होंने उदयपुर के 5 स्टार होटल में शादी की, न कि 7 स्टार होटल में। राघव चड्ढा ने कहा, 'हमने जहां शादी की वह 7-स्टार होटल नहीं था, जैसा कि कहा जा रहा है। यह एक 5-स्टार होटल था। हमने कुल 40-50 कमरे बुक किए थे। इनमें से किसी भी कमरे का किराया 10 लाख रुपये नहीं था। यह पूरी तरह से झूठी बातें हैं और कुछ लोगों ने जानबूझकर हमारी शादी को महंगा दिखाने के लिए ऐसा कहा'। परिणीति चोपड़ा ने कहा कि राघव चड्ढा से शादी करने के बाद उन्हें लोगों के दोहरे मापदंडों का सामना करना पड़ा। अभिनेत्री ने कहा कि अगर उन्होंने किसी अभिनेता या व्यवसायी से शादी की होती तो उन्हें ऐसी आलोचनाओं का सामना नहीं करना पड़ता।

एमसीयू में कैप्टन अमेरिका फेम क्रिस इवांस की वापसी, 'एवेंजर्स डूम्सडे' में नजर आएंगे

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली।मार्वल सिनेमैटिक यूनिवर्स के फैंस के लिए एक बड़ी खुशखबरी आई है। इस यूनिवर्स की कई फिल्मों में नजर आ चुके फिल्म में कैप्टन अमेरिका के रूप में वापसी करेगा, जिसकी वजह से क्रिस इवांस के कैप्टन अमेरिका के कॉस्ट्यूम में दिखने की संभावना थोड़ा कम ही नजर आ रही है।

क्रिस इवांस जल्द ही रूसो ब्रदर्स की 'एवेंजर्स डूम्सडे' में दिखेंगे।क्रिस इवांस मार्वल सिनेमैटिक यूनिवर्स (एमसीयू) दमदार वापसी के लिए पूरी तरह तैयार हैं। इस बार वह जो और एंथनी रूसो के निर्देशन में बन रही फिल्म 'एवेंजर्स डूम्सडे' में नजर आएंगे।हालांकि, फिल्म में क्रिस किस किरदार में होंगे यह अब तक स्पष्ट नहीं हो सका है। सूत्रों का कहना है कि एंथनी मैकी का सैम विल्सन कैरेक्टर भी इस फिर भी अगर वह फिल्म में क्रिस रोजर्स के रूप में वापसी करते हैं तो यह चौंकाने वाली बात नहीं होगी। हाल ही में क्रिस इवांस ने एमसीयू की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली आर-रेटेड फिल्म 'डेडपूल एंड वूल्वरिन' में एक विशिष्ट किरदार निभाया था। इस फिल्म में उन्होंने अपने पुराने कैरेक्टर जॉनी स्टॉर्म को फिर से निभाया, जो 'फैंटास्टिक फोर' फिल्मों में उनका किरदार था। क्रिस इवांस का स्टीव रॉजर्स वाला कैरेक्टर आखिरी बार रूसो ब्रद्रर्स की निर्देशित फिल्म 'एवेंजर्स- एंडगेम' में दिखा था। इससे पहले डेडलाइन की एक रिपोर्ट में कहा गया था कि रूसो ब्रदर्स इस फिल्म में कई एमसीयू के पुराने और पसंदीदा किरदारों की वापसी देखने को मिलेगी। जुलाई में सैन डिएगो कॉमिक-कॉन में जो जानकारी दी गई थी, उसके अनुसार, रॉबर्ट डाउनी जूनियर डॉ. डूम की भूमिका निभाएंगे।इस फ्रेंचाइजी में अपनी वापसी को लेकर क्रिस इवांस ने पहले ही स्पष्ट रूप से कहा था कि वह केवल एक मजबूत कारण के साथ ही एमसीयू में लौटेंगे। 'एवेंजर्स डूम्सडे' में 'फैंटास्टिक फोर' के नए सितारे पेड्रो पास्कल, जोसेफ क्विन, वनेसा किर्बी और एबोन मोस-बैकरेक भी नजर आएंगे। रूसो ब्रदर्स ने पहले एमसीयू की 'एवेंजर्स-इंफिनिटी वार', 'एवेंजर्स- एंडगेम', 'कैप्टन अमेरिका- विंटर सोल्जर', और 'कैप्टन अमेरिका- सिविल वार' जैसी फिल्मों का निर्देशन किया है। 'एवेंजर्स- एंडगेम' को अब तक की दूसरी सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्म का दर्जा प्राप्त है, जिसने 279 करोड़ डॉलर की कमाई की थी। 'एवेंजर्स डूम्सडे' 1 मई 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। वहीं, रूसो ब्रदर्स की एवेंजर्स सीक्रेट वार्स मई 2027 में बड़े पर्दे पर दस्तक देगी।

बॉलीवुड कलाकारों का साउथ की फिल्मों से जुड़ रहा नाता, जानिए किस-किस ने पकड़ा दामन

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। बॉलीवुड के कलाकार साउथ की फिल्मों का रुख कर रहे हैं। अब आमिर खान का नाम भी इस लिस्ट में शामिल होता दिख रहा है। आइए जानते हैं किन-किन बॉलीवुड अभिनेताओं ने साउथ की फिल्मों का दामन पकड़ा है। बॉलीवुड के कई सितारे साउथ की फिल्मों का रुख कर चुके हैं। पिछले कुछ वर्षों में दक्षिण भारतीय फिल्मों की मांग हिंदी पट्टी में बढ़ी है, जिसके चलते अब बॉलीवुड के सितारे भी साउथ के प्रोजेक्ट्स अपने हाथ में ले रहे हैं। इस साल कई बॉलीवुड दिग्गजों ने साउथ की फिल्में की। हाल ही में आमिर खान का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ है, जिसे लेकर दावा किया जा रहा है कि वह रजनीकांत की फिल्म 'कुली' में अपने कैमियो शूट के लिए जयपुर पहुंचे हैं। इससे अभिनेता के साउथ की फिल्म में एंट्री को लेकर अटकलें लगाई जा रही हैं। खैर, आइए जानते हैं कि बॉलीवुड के किन-किन कलाकारों

ने साउथ की फिल्मों की ओर रुख किया है। बॉलीवुड के दिग्गज अमिताभ बच्चन कई साउथ की फिल्मों में नजर आ चुके हैं। हाल ही में वह 'रजनीकांत' की फिल्म 'वेट्टैयन' में नजर आएं। यह फिल्म उनकी तमिल डेब्यू फिल्म भी है। इससे पहले अमिताभ प्रभास की 'कल्कि 2898 एडी' में अश्वत्थामा की भूमिका में नजर आए थे।जान्हवी कपूर ने इस साल साउथ की फिल्म 'देवरा' से डेब्यू किया है। इस फिल्म में वह जूनियर एनटीआर के साथ स्क्रीन साझा करते हुए नजर आईं। हालांकि, यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर कुछ खास नहीं कर पाई। रिपोर्ट्स के मुताबिक जान्हवी के पास राम चरण की एक फिल्म पाइपलाइन में है। बॉबी देओल ने लंबे समय के बाद रणबीर कपूर की फिल्म 'एनिमल' से तगड़ा कमबैक किया। इसके बाद उन्होंने सूर्या की फिल्म 'कंगुवा' से साउथ में पहला कदम रखा। हालांकि, यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर फ्लॉप साबित हुई। बॉलीवुड अभिनेत्री दिशा पाटनी इस साल दो साउथ फिल्मों में नजर आईं। वह प्रभास के साथ 'कल्कि 2898 एडी' और सूर्या के साथ 'कंगुवा' में दिखीं। हालांकि, वह इससे पहले भी साउथ की फिल्मों में काम कर चुकी हैं। दीपिका पादुकोण प्रभास की 'कल्कि 2898 एडी' में अभिनय करते हुए नजर आईं। वहीं, सैफ अली खान भी काफी समय से किसी बॉलीवुड फिल्म में नजर नहीं आए हैं।

द गर्लफ्रैंड' के टीजर की वरुण धवन ने की तारीफ, 'श्रीवल्ली' के लिए बोले अभिनेता

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। बॉलीवुड अभिनेता वरुण धवन ने अभिनेत्री रश्मिका मंदाना की फिल्म द गर्लफ्रैंड के टीजर की तारीफ की है। इस फिल्म में रश्मिका प्रमुख भूमिका में नजर आने वाली हैं। रश्मिका मंदाना पुष्पा 2 के बाद 'द गर्लफ्रैंड' की रिलीज के लिए तैयार हैं। इस फिल्म का टीजर हाल ही में जारी हुआ है। बॉलीवुड अभिनेता वरुण धवन ने इस पर टिप्पणी की है। टीजर देखने के बाद अपनी प्रतिक्रिया साझा की है। अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर रश्मिका मंदाना ने कहा, आखिरकार, बेबी! यह प्रोजेक्ट आप लोगों से मिलने के लिए तैयार है। मुझे पता है कि हमने आपको लंबे समय तक इंतजार करवाया है, लेकिन आखिरकार यह आ ही गया। रश्मिका मंदाना की फिल्म के टीजर पर वरुण धवन ने प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कमेंट पर लिखा, मुझे ये बहुत पसंद आया। रश्मिका मंदाना की परफॉर्मेंस वरुण धवन को बहुत पसंद आया है। द गर्लफ्रैंड की कहानी दो आदमियों के इर्द गिर्द घूमती हुई कहानी है। एक नाटकीय कहानी और आधुनिक रिश्तों पर एक नया दृष्टिकोण दिखाया गया है। राहुल रवींद्रन द्वारा निर्देशित इस फिल्म में रश्मिका मंदाना मुख्य किरदार में हैं। फिल्म में दीक्षित शेट्टी, राव रमेश, रोहिणी और अन्य प्रमुख भूमिकाएं निभाएंगे। फिल्म की रिलीज का फैंस बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। रश्मिका की इस फिल्म का टीजर ही जारी हुआ है। फिल्म की रिलीज डेट की अभी तक कोई पुष्टि नहीं हुई है। वहीं, रश्मिका और अल्लू अर्जुन की फिल्म पुष्पा द रूल बॉक्स ऑफिस पर शानदार प्रदर्शन कर रही है। फिल्म को प्रशंसकों का प्यार मिला है। रश्मिका के श्रीवल्ली के किरदार को फैंस ने बहुत पसंद किया है। फिल्म के कुछ सीन को लेकर प्रशंसक बहुत तारीफ भी कर रहे हैं। इस बीच रश्मिका की अगली फिल्म के टीजर ने फैंस को उत्साहित किया है।

लाल सिंह चड्ढा' का हिस्सा होना करीना के लिए गर्व की बात, नहीं चली फिल्म तो आमिर से कही ये बात

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। करीना कपूर खान ने अपनी फिल्म 'लाल सिंह चड्ढा' को लेकर कुछ खुलासे किए हैं। उन्होंने बताया कि फिल्म फ्लॉप होने पर आमिर खान से उन्होंने क्या कहा और आमिर ने इसका क्या जवाब दिया। करीना कपूर खान ने हाल ही में विक्की कौशल, शबाना आजमी, राजकुमार राव और अन्ना बेन जैसे कलाकारों के साथ एक एक्टर राउंडटेबल में शामिल हुईं। इस दौरान करीना कपूर ने बताया कि जब लाल सिंह चड्ढा बॉक्स ऑफिस पर नहीं चली तो आमिर खान टूट गए थे। हॉलीवुड रिपोर्टर इंडिया बातचीत में करीना ने बताया कि जब लाल सिंह चड्ढा की असफलता के बाद निर्देशक अद्वैत चंदन और आमिर खान को कॉल करने के बारे में बात की थी। उन्होंने बताया कि आमिर खान ये फिल्म बनाकर अपने आप पर गर्व महसूस करते हैं।इस फिल्म के फ्लॉप होने पर करीना से आमिर खान ने कहा कि 'पिक्चर नहीं चली हमारी ना, तू बात तो करेगी ना मुझसे? करीना ने कहा, हमारी फिल्म नहीं चली। आप मुझसे बात करोगे न खान ने उन्हें रूपा का किरदार दिया, क्योंकि उन्होंने कहा, ठमुझे लगता है कि रूपा ने मेरे लिए सिंघम अगेन से ज्यादा किया है।करीना ने कहा कि इस फिल्म को पूरे से दिल से बनाया था। करीना ने कहा कि आमिर बहुत सज्जन व्यक्ति हैं, यह बताते हुए उन्होंने याद किया कि उस समय कोविड-19 महामारी फैली थी, और वह अपने दूसरे बेटे जेह के साथ गर्भवती हो गई थीं। उस समय, उन्हें नहीं पता था कि अपनी सह-कलाकार को कैसे बताएं कि वह गर्भवती हैं, जबकि वे फ़िल्म की 60ड्ढ शूटिंग कर चुके थे। इस बारे में जब करीना ने आमिर से बात की तो उन्होंने कहा कि वे करीना के लिए खुश हैं और वो फिल्म के लिए उनका इंतजार करेंगे। वे साथ में फिल्म करेंगे, चाहे इसके लिए कुछ भी करना पड़े। करीना ने कहा कि उन्हें जान के अच्छा लगा कि इस उद्योग में ऐसे लोग भी हैं जो दूसरों को महत्व देते हैं और अपने निर्णयों पर अडिग रहते हैं।

स्वत्वाधिकारी एवं मुद्रक डा0 दीपक अरोरा द्वारा रामा प्रिन्टर्स 53/25/1 ए बेली रोड न्यू कटरा प्रयागराज (उ.प्र.) 211002 से मुद्रित एवं सी-41 यूपी एसआईडीसी औद्योगिक क्षेत्र नैनी प्रयागराज। (उ.प्र.) 211010 से प्रकाशित।
सम्पादक/प्रकाशक
डा0 पुनीत अरोरा
मो0न0 09415608710
RNI No. UPHIN/2015/63398
website:www.adhuniksamachar.com

नोटः- इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।